डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 235 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 11 जून 2025 | मूल्य 2 रुपया

हमारे मित्र
भाई सचिन जैन
को आज
जन्म दिवस की
ढेरों बधाईयां व शुभकामनाएं
-शुभेच्छु-
गुरु एक्सप्रेस परिवार, मंदसौर

ऐसे कैसे लड़ेंगे कोरोना से..?

एक दर्जन जरुरी संसाधनों की कमी, जांच किट तक नहीं मिल रही..!

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। पड़ोसी जिले नीमच में कोरोना पॉजीटिव आने के बाद एक बार फिर कोरोना थोड़ा डराने लगा है। स्वास्थ्य विभाग जरुर कोरोना से लड़ने के लिए अपने आपको तैयार बता रहा है। लेकिन, धरातल पर स्थिति इसके विपरित है। कोरोना से लड़ने के लिए एक दर्जन आवश्यक संसाधनों की कमी है। इसके अलावा जांच के लिए जरूरी आरटी पीसीआर किट ही उपलब्ध नहीं है।

मंदसौर, नीमच और रतलाम भी नहीं तैयार...

प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामलों को देखते हुए डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला का कहना है कि हमारी तैयारी पूरी है। इधर, स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट कुछ और ही कहानी कहती है। भोपाल में 5000 आरटीपीसीआर किट है। लेकिन, अस्पतालों तक नहीं पहुंची हैं। 03 जून को प्रदेश के सभी जिलों में 50, 100 आरटी-पीसीआर किट भेजी गई। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर को 5-5 हजार, उज्जैन-रीवा-सागर को 2500-2500, बाकी को 250 से 1000 किट मिली। लेकिन, यह आपूर्ति जरूरत के मुकाबले ऊंट के मुंह में जीरा जैसी है।

इसके अलावा 40 से ज्यादा जिलों में एन-95 मास्क, फेस शील्ड, पीपीई किट, हैंड सैनिटाइजर, आरटी-पीसीआर और रैपिड एंटीजन टेस्ट किट जैसी बुनियादी चीजों का स्टॉक शून्य है। कई जिलों में पैरासिटामॉल और एजिथ्रोमाइसिन जैसी आम दवाएं भी खत्म हो चुकी हैं। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, आगर से विदिशा तक 43 जिलों में फेस शील्ड और एन-95 मास्क नहीं हैं। पीपीई किट और सेनिटाइजर की कमी भी 30 जिलों में है। वायरल ट्रांसपोर्ट मीडियम 40 जिलों में खत्म है। आरटी-पीसीआर किट सिर्फ एक जिले में हैं और रैपिड एंटीजन टेस्ट किट किसी भी जिले में नहीं बची।

आगर, अलीराजपुर, अनूपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, भिंड, भोपाल, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, देवास, धार, डिंडोरी, ग्वालियर, हरदा, इंदौर, झाबुआ, कटनी, खंडवा, खरगोन, मंडला, मंदसौर, मुरैना, नरसिंहपुर, नीमच, पन्ना, रायसेन, राजगढ, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, सिवनी, शहडोल, शाजापुर, श्योपुर, शिवपुरी, सिंगरौली, टीकमगढ, उज्जैन, उमरिया और विदिशा में फेस शील्ड और एन-95 मास्क नहीं हैं। कुछ जिलों की स्थिति और भी चिंताजनक है। धार और भिंड में सिर्फ 10 टैबलेट एजिथ्रोमाइसिन बची हैं। उज्जैन में 100 टैबलेट हैं। कई जिलों में डिस्पोजेबल ग्लव्स, सर्जिकल मास्क, सिरिंज और सैनिटाइजर तक उपलब्ध नहीं हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इन सभी जरूरी चीजों के लिए न्यूनतम स्टॉक तय किया है। लेकिन कई जिलों में यह स्टॉक शून्य है। कुछ जिलों में दवाएं और मास्क भी तय मात्रा से काफी कम हैं। जैसे, धार में केवल 10 टैबलेट एजिथ्रोमाइसिन हैं। भिंड में 10 टैबलेट ही उपलब्ध हैं। उज्जैन में केवल 100 टैबलेट हैं। इसी तरह पैरासिटामोल की कमी भी कई जिलों में है। कुछ जिलों में डिस्पोजेबल ग्लव्स और सर्जिकल मास्क भी नहीं हैं। कई जिलों में सिरिंज और सैनिटाइजर भी खत्म हो चुके हैं।

रतलाम मेडिकल कॉलेज भेजेंगे जांच के लिए...

मंदसौर की बात करें तो अब भी स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह तैयार नहीं है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि आरटीपीसीआर जांच के लिए जो किट होना चाहिए, वह नहीं है। इसके साथ ही रेपिड टेस्ट की किट भी नहीं है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग वीटीएम किट से संदिग्ध मरीजों के सेंपल लेगा और रतलाम मेडिकल कॉलेज में जांच के लिए भेजेगा। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि आरटीपीसीआर जांच के लिए किट और रेपिड किट की डिमांड कर दी गई है। इसके लिए पत्र लिख दिया है।

केवल जिला अस्पताल में होंगे टेस्ट...

जिले के अन्य अस्पतालो में व्यवस्था होने के बाद भी कोरोना की जांच नहीं हो सकती है। इसके अलावा रेपिड कीट उपलब्ध नहीं है। जिससे कि ग्रामीण अंचल में भी टेस्ट आसानी से हो सके। वर्तमान में केवल वीटीएम कीट उपलब्ध है। जिससे सेंपल लेकर भेजे जाएंगे। यह सुविधा केवल जिला अस्पताल में ही है। ऐसे में संदिग्ध मरीजों के सेंपल केवल जिला अस्पताल में ही ले सकेंगे। सीएमएचओ ने अंचल में स्थित सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर बने ऑक्सीजन प्लांट की जानकारी ली थी। जिसमें सुवासरा, शामगढ, भानपुरा और सीतामऊ के ऑक्सीजन प्लांट बंद होने की जानकारी मिली थी। इस जानकारी को बहुत दिन हो गए है। सूत्रों की माने तो अब तक इन ऑक्सीजन प्लांट को शुरु नहीं किया गया है। ऐसे में कैसे फिर से कोरोना से लड़ेंगे यह बड़ा सवाल है।

इनका कहना...

आरटीपीसीआर कीट और रेपिड कीट नहीं है। जिसको लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिख दिया गया है। इसकी डिमांड भी कर ली है। वर्तमान में वीटीएम कीट से संदिग्ध मरीजों के सेंपल लिए जाएंगे। यह व्यवस्था जिला अस्पताल में की गई है। जांच के लिए सेंपल रतलाम भेजे जाएंगे।

डॉ गोविंद सिंह चौहान, सीएमएचओ मंदसौर

तीन सदस्यीय जांच दल गठित...

स्काई ब्लू संस्था को दिये टेण्डर की होगी जांच

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। बड़े अस्पताल में चल रही अव्यवस्थाओ को लेकर 'गुरु एक्सप्रेस' द्वारा प्रकाशित खबर पर सीएमएचओ श्री डॉ गोविंद सिंह चौहान ने एक्शन लिया है। उन्होंने प्रकाशित खबर 'मरीजो को हाथो में परोसा जा रहा भोजन' को लेकर एक डॉक्टर सहित बड़े अस्पताल के तीन कर्मियो की जांच टीम का गठन किया है। यह जांच टीम अब स्काई ब्लू संस्था को दिये गए टेंडर की शर्तो की जांच करेगी।

मंगलवार 10 जून को जारी आदेश में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री चौहान ने गुरु एक्सप्रेस द्वारा प्रकाशित खबर का हवाला देते हुए डॉ. आशीष वर्मा, स्टीवर्ड श्री जितेन्द्र जैन और सहायक ग्रेड -3 श्री हिमांशु यजुर्वेदी की जांच टीम बनाई है। जांच टीम को सात दिन में अपनी रिपोर्ट देना है। जांच टीम अब यह देखेगी की बड़े अस्पताल की हाऊस कीपिंग (खानपान व्यवस्था) संभाल रही स्काई ब्लू संस्था को किन शर्तो पर टेंडर दिया गया था और उन शर्तो का पालन हो रहा है या नहीं। यदि नहीं हो रहा है तो क्या कार्यवाही किया जाना है।

उल्लेखनीय है कि विधायक विपिन जैन ने जब इस अव्यवस्था को देखा था तो मरीजों के लिए स्वयं स्टील की थालिया उपलब्ध करवाई थी। ताकि उन्हें शुद्धतापूर्ण और सुरक्षित भोजन मिल सके। इसके बावजूद संस्था द्वारा लगातार मरीजों को हाथ में ही भोजन दिया जा रहा है। यह न केवल टेंडर की शर्तों का उल्लंघन है। बल्कि मानवता के खिलाफ असंवेदनशीलता भी है। जबकि, टेंडर की शर्तो में स्पष्ट उल्लेख है कि संस्था द्वारा मरीजों को 'स्वच्छ खण्डवार स्टील की थाली' में ही भोजन परोसना होगा और भोजन के बाद थालियों का संग्रहण व सफाई की जिम्मेदारी भी संबंधित फर्म की ही होगी। इसके साथ ही भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, निगरानी, वितरण प्रक्रिया, बर्तनों की सफाई, वेस्ट निपटान एवं कंटेनरों की देखभाल संबंधी विस्तृत प्रोटोकॉल निर्धारित किए गए हैं।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि गठित जांच टीम अपनी जांच में क्या-क्या खामिया पाती है और उनका निराकरण स्काई ब्लू संस्था करती है या मरीजो का इसी तरह हाथो में भोजन परोसा जाता रहेगा?

अग्नि वीर ट्रेन में बना जहरखुरानी का शिकार

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। पिपलिया मंडी क्षेत्र के समीप स्थित बाबूखेड़ा निवासी अग्नि वीर जवान कृष्णपाल सिंह ट्रेन में जहर खुरानी का शिकार हो गए। जिससे उनकी मौत हो गई। कृष्णपाल सिंह रांची के दोपाटोली आर्मीकैंट में तैनात थे। इलाज के दौरान कोडरमा सदर अस्पताल में उसकी मौत हो गई। घटना सोमवार शाम की है।

जानकारी के अनुसार वह भाई की शादी में शामिल होने घर आया था। वहां से रांची लौट रहा था। सोमवार शाम वह बदहवास हालत में कोडरमा स्टेशन पर उतरा। इसके बाद परिजनों को फोन कर बताया कि उसे किसी ने कुछ खिला दिया है। तबीयत ठीक नहीं लग रही है। इसके बाद वह कोडरमा स्टेशन के बाहर गिर पड़ा। युवक को अचेत अवस्था में देख स्थानीय लोग उसे लेकर निजी अस्पताल पहुंचे। वहां से गंभीर हालत में उसे सदर अस्पताल कोडरमा रेफर किया गया। सदर अस्पताल में सोमवार शाम इलाज के दौरान जवान की मौत हो गई। घर वालों को इसकी सूचना उसके रांची स्थित कैंप ने दी। सूचना के बाद कैंप के कई अधिकारी कोडरमा पहुंचे। इसके बाद पुलिस की देखरेख में शव का पीएम कराया गया।

पूर्व विधायक ने की सीईओ से चर्चा...

पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया ने आर्मी के रांची केम्प के सीईओ से इस संबंध में बात की। श्री सिसौदिया ने बताया कि मंदसौर जिले के पिपलिया मंडी के समीप गांव बाबूखेड़ा निवासी श्री कृष्णपाल सिंह फौज में पदस्थ थे। छुट्टियों से लौट कर यूनिट के लिए ट्रेन से जा रहे थे। बताया जा रहा है कि रांची के समीप... **शेष पेज 4 पर**

लहसुन से भरा मिनी ट्रक पलटा, जनहानि नहीं

दलौदा, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार को एक मिनी ट्रक सड़क पर पलटी खा गया। इसमें लहसून भरा हुआ था। दरअसल मंगलवार दोपहर सुनील नामक शख्स लहसुन से भरा मिनी ट्रक मन्दसौर से रतलाम की ओर लेकर जा रहा था। इसी दौरान ट्रक महू नीमच फोर लेन रोड दलौदा स्थित जैन होटल के सामने पलट गया, हालांकि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मिनी ट्रक क्रमांक एमपी 13 जीबी 0780 तेज रफ्तार में स्पीड ब्रेकर पर अचानक ब्रेक लगाने से पलटी खाया गया। घटना के बाद लहसुन के कट्टे सड़क पर बिखर गए। यही वजह है कि कुछ समय तक फोर लेन मार्ग पर जाम की स्थिति रही। हालांकि सूचना मिलते ही दलौदा पुलिस मौके पर पहुंची और राहगीरों की मदद से मिनी ट्रक को सीधा करवाया और लहसुन के कट्टे वापस मिनी ट्रक में भरवा कर उसे रतलाम के लिए रवाना कर दिया गया। दलौदा थाना प्रभारी मनोज गर्ग के मुताबिक मिनी ट्रक में सिर्फ चालक ही सवार था जो पूरी तरह से सुरक्षित है, पलटी खाए ट्रक को सीधा करवाकर रवाना करवा दिया है।

पूर्व नपाध्यक्ष राम कोटवानी पर शासकीय कार्य में बाधा का प्रकरण दर्ज

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। बीजेपी नेता और पूर्व नपाध्यक्ष राम कोटवानी पर एमपीईबी के एई पियूष पंवार के साथ दुर्व्यवहार और धमकाने के मामले में विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज हो गया है। इस मामले में मांगलवार को एमपीईबी के कर्मचारियों ने पुलिस कप्तान को सख्त कार्यवाही को लेकर ज्ञापन भी दिया था। मिली जानकारी के अनुसार पूर्व नपाध्यक्ष राम कोटवानी पर बीएनएस की धारा 296, 351 (2), 132, 221 के तहत प्रकरण दर्ज किया हैं। इसमें धारा 132 और 221 लोकसेवक के कार्य में बाधा डालने की धाराए है।

मामला बालोदा में धराए आरोपी का...

चक्काजाम कर की मकान तोड़ने की मांग

गरोठ, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। समीपस्थ बालौदा गांव में एक मुस्लिम युवक द्वारा तंत्र-मंत्र के नाम पर महिलाओं को प्रताडित करने का मामला सामने आया था। इस मामले में आरोपी का मकान तोड़े जाने की मांग को लेकर ग्रामीणों और हिंदू संगठन के लोगों ने चक्काजाम किया।

बालोदा में भानपुरा-गरोठ रोड पर चक्काजाम कर लोगों ने कहा कि इस मामले में समय दिया गया था, जो पूरा हो गया है। लेकिन, प्रशासन द्वारा कार्रवाई नहीं की गई। सात लोगों की जमीन पर आरोपी का अवैध कब्जा है। उन्होंने भी पुलिस प्रशासन को शिकायत की है। इस पर भी कार्रवाई की जाए।

बता दे कि इस मामले में आरोपी मुबारक मंसूरी खुद को हिंदू बताता था। उसने फर्जी आधारकार्ड बनवा रखा था। उसकी नजर हिंदू महिलाओं पर रहती थी। वो कई सालों से तंत्र-मंत्र के बहाने महिलाओं को डरा-धमकाकर उनका शोषण कर रहा था। तंत्र-मंत्र के जरिए महिलाओं को प्रताडित करता था। मामला तब सामने आया जब मंसूरी ने एक युवक को पागल बता दिया। उसने उसकी भाभी से आपत्तिजनक बातें की। महिला के परिजन ने इसकी शिकायत पुलिस से की। विगत दिनों हिंदू संगठनों ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने आरोपी पर कडी कार्रवाई और उसकी अवैध संपत्ति पर बुलडोजर चलाने की मांग करते हुए प्रशासन को 48 घंटे का समय दिया था। समय पूरा होने के बाद हिंदू संगठनों ने आधे घंटे तक चक्का जाम किया। लेकिन, अभी तक मांग पूरी नहीं हुई। इसके बाद मंगलवार को फिर हिंदू संगठनों और ग्रामीणों ने चक्काजाम किया।

सड़क हादसे में बाईक सवार युवक की मौत

सीतामऊ , 10 जून गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र के लदूना-राजनगर मार्ग पर बोलेरो की टक्कर से बाईक सवार युवक की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात पप्पू गुर्जर निवासी सीतामऊ बाइक से राजनगर जा रहा था। इसी दौरान एक बोलेरो ने बाइक को टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बोलेरो को जब्त कर थाने लाया गया। इधर बाइक सवार को अस्पताल ले जाया गया। लेकिन, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

अतिक्रमण नहीं हटने पर बुजुर्ग ने मांगी इच्छा मृत्यु

सरपंच प्रतिनिधि कब्जे की शिकायत वापस लेने का बना रहे दबाव

गरोठ, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार को जनसुनवाई में सबसे चिंताजनक मामला कोटड़ा बुजुर्ग के निवासी ओंकारलाल का सामने आया। उन्होंने बताया कि 03 जून 2025 को उन्होंने सरकारी नाले पर अतिक्रमण की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद से गांव के कुछ लोग उन्हें धमकियां दे रहे हैं।

ओंकार लाल ने बताया कि सरपंच प्रतिनिधि कमलेश पाटीदार, मांगीलाल सेन, रमेश पाटीदार और किशोर पाटीदार उन पर शिकायत वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। वे जान से मारने की धमकियां भी दे रहे हैं। इस प्रताड़ना से परेशान होकर उन्होंने या तो अतिक्रमण हटाने या फिर आत्महत्या की अनुमति की मांग की। जनसुनवाई सुबह 10:30 से दोपहर 2:30 बजे तक चली। इस दौरान कुल 10 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकांश शिकायतें राजस्व, रास्ते और सीमांकन से संबंधित थी। प्रशासन ने सभी मामलों में संबंधित विभागों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

अंतिम यात्रा

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि स्वर्गीय सेठ श्री कीमतमल जी डालवानी के सुपुत्र एवं लख्मीचंद जी डालवानी, किशोर जी डालवानी, शंकर जी डालवानी के भाई साहब एवं राजेश जी, नरेश जी, आशीष जी, दिनेश जी, जानू जी, हनी जी के पूज्यनीय काका श्री एवं महेश, जय, गिरीश डालवानी के पूज्यनीय पिताजी व प्रथमेश के पूज्यनीय दादाजी

श्रीमान सेठ श्री अर्जुन दास जी डालवानी

(साजन सजनी गारमेंटस व सुहाग महल)

वालों का दु:खद निधन **दिनांक 10 जून 2025 मंगलवार** को हो गया है ! जिनकी अंतिम यात्रा **दिनांक 11 जून 2025 बुधवार** को प्रात: 11:00 बजे उनके नीज निवास-खुशबू विहार, जैन कॉलोनी जैन मंदिर के सामने दशरथ नगर रोड से निकलेगी..!

****** शोकाकुल *******

डालवानी परिवार, मोबाईल 9584438400

कैलाश यात्रा प्रारंभ होने से श्रद्धालुओं में खुशी की लहर, मानसरोवर भवन तैयार

गाजियाबाद, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। इस वर्ष से पुन: कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू हो रही है। इसके लिए गाजियाबाद स्थित मानसरोवर भवन पूरी तरह तैयार है, जिसमें ठहरने, स्वास्थ्य जांच और सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था की गई है। यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता दी गई है।

आस्था और विश्वास का प्रतीक कैलाश मानसरोवर यात्रा लंबे समय के बाद इस साल से पुन: शुरू होने जा रही है। गाजियाबाद स्थित कैलाश मानसरोवर भवन पूरी तरह तैयार हो चुका है और प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा की पुन: शुरुआत से खुशी है। गाजियाबाद के भवन में श्रद्धालु पहली बार रुकेंगे। पहला बैच 11 जून को आएगा और आगे भी यात्रियों के बैच आते रहेंगे। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो इसके लिए पूरी तैयारी हो चुकी है।

यात्रा से पहले सभी तैयारियां पूरी...

कैलाश मानसरोवर भवन की स्थापना 2018 में 70 करोड़ रुपये की लागत से की गई थी, ताकि उत्तर भारत के श्रद्धालुओं को एक केंद्रीकृत स्थान पर यात्रा की सभी आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। कोरोना महामारी के कारण यह यात्रा कई वर्षों तक स्थगित रही, लेकिन अब परिस्थितियां सामान्य होने से यह यात्रा पुन: शुरू हो रही है।

भवन में उपलब्ध सुविधाएं...

इस भवन में लगभग 200 यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था है, जिसमें डॉरमेट्री और वातानुकूलित कमरे शामिल हैं। यात्रियों के लिए साफ-सुथरा और हाइजेनिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा, स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित किया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम मेडिकल जांच करेगी।

स्वास्थ्य जांच अनिवार्य...

यात्रा से पहले सभी यात्रियों की स्वास्थ्य जांच अनिवार्य कर दी गई है। भवन में अस्थायी चिकित्सा शिविर लगाया गया है, जहां बीपी, शुगर, हृदय और फेफड़ों की जांच की जाएगी ताकि उंचाई वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से बचा जा सके।

सुरक्षा और सफाई व्यवस्था...

सुरक्षा के लिए भवन परिसर में 24 घंटे सुरक्षा बल तैनात रहेगा। महिला यात्रियों के लिए अलग वॉर्डन की व्यवस्था की गई है। सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं ताकि निगरानी पूरी तरह सुनिश्चित हो सके। नगर निगम द्वारा नियमित रूप से परिसर की सफाई और सैनिटाइजेशन किया जाएगा।

विचार-मंथन

जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था के लिए गेम चेंजर है वंदे भारत ट्रेन

कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली ट्रेन शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को श्री माता वैष्णो देवी कटरा और श्रीनगर के बीच वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कश्मीर घाटी तक रेल का पहुंचना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसका बहुत बड़ा असर कश्मीर के विकास, व्यापार और पर्यटन पर पड़ेगा क्योंकि इस रेल की मदद से कश्मीर अब दुनिया के बाकी हिस्सों से बेहतर ढंग से जुड़ सकेगा। लेकिन कश्मीर तक रेल का पहुंचना आसान नहीं था, यह एक लंबी यात्रा है। भारत में जब अंग्रेजों का शासन था, उस दौरान जम्मू-कश्मीर में अंग्रेजों ने ही पहली बार ट्रेन चलाई थी। 1897 में जम्मू और सियालकोट के बीच 40 से 45 किलोमीटर की दूरी पर यह ट्रेन चलाई गई थी। जब भारत का बंटवारा नहीं हुआ था, तब 1902 और 1905 में रावलपिंडी से श्रीनगर तक एक रेलवे लाइन का प्रस्ताव रखा गया। यह झेलम के रास्ते कश्मीर घाटी को भारत के रेलवे नेटवर्क से जोड़ सकती थी लेकिन तब जम्मू-कश्मीर के महाराजा प्रताप सिंह रियासी के रास्ते जम्मू-श्रीनगर रेल लाइन चाहते थे और इस वजह से इन दोनों में से कोई भी किसी भी प्रोजेक्ट पर आगे बात नहीं बन सकी। 1947 में देश के बंटवारे के बाद सियालकोट पाकिस्तान में चला गया और जम्मू भारत के रेल नेटवर्क से कट गया। 1975 में पठानकोट-जम्मू लाइन के शुरू होने तक पंजाब का पठानकोट जम्मू-कश्मीर का सबसे नजदीक रेलवे स्टेशन था। 1983 में जम्मू और उधमपुर के बीच रेलवे लाइन का काम शुरू हुआ। यह लाइन 53 किलोमीटर लंबी थी और इस काम को 5 साल में पूरा किया जाना था लेकिन इसे बनने में 21 साल लग गए। इस लाइन पर काम जारी था इसलिए केंद्र सरकार ने 1994

में इसे उधमपुर से श्रीनगर और फिर बारामूला तक बढ़ाने का ऐलान किया। इस परियोजना को उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट नाम दिया गया और मार्च 1995 में 2,500 करोड़ रुपये की लागत से इसे मंजूरी मिली। 2002 में इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर दिया गया और इसके अलग हिस्से धीरे-धीरे शुरू होते गए। यूएसबीआरएल परियोजना अब पूरी हो चुकी है। यह कुल 272 किलोमीटर का ट्रैक है और इसे 43,780 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इसमें 36 सुरंगें और 943 पुल शामिल हैं। बड़ी उपलब्धि यह है कि इस लाइन के जरिए कटरा और श्रीनगर अब केवल 3 घंटे की दूरी पर ही रह गए हैं। यूएसबीआरएल परियोजना इंजीनियरिंग के लिहाज से भारत के लिए बड़ी उपलब्धि है। हिमालय की पर्वत श्रृंखला में शिवालिक पहाड़ियां और पीर पंजाल रेंज भूकंप के लिहाज से सबसे खतरनाक जोन IV और V में आते हैं। यह पूरा इलाका कठिन है और बर्फीले मौसम वाला है, जिससे पुलों और सुरंगों को बनाने का काम बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। यूएसबीआरएल परियोजना के जरिये भारत के खाते में कई बड़ी उपलब्धियां भी दर्ज हुई हैं। दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज, जिसका आर्च चिनाब नदी के तल से 359 मीटर ऊपर है; रेलवे का पहला केबल-स्टे ब्रिज (अंजी खड्ड पर) और भारत की सबसे लंबी परिवहन सुरंग जो रामबन जिले में है और 12.77 किलोमीटर लंबी है। वंदे भारत ट्रेनें कटरा और श्रीनगर के बीच की दूरी लगभग तीन घंटे में तय करेंगी और इसमें सड़क के रास्ते से आधा वक्त लगेगा। ये ट्रेनें भयंकर सर्दियों में भी चलेंगी और सालभर चाहे कैसा भी मौसम हो, घाटी को देश से जोड़े रखेंगी। जल्द ही यह ट्रेन जम्मू-तवी तक भी चलेगी, जिससे देश के किसी भी कोने से सीधी ट्रेन लेकर श्रीनगर तक पहुंचा जा सकेगा। जम्मू-कश्मीर ऐसा राज्य है जिसकी आर्थिकी पर्यटन पर निर्भर है और इसके लिए ट्रेन बहुत जरूरी है। कश्मीर तक ट्रेन पहुंचने के बाद निश्चित रूप से जम्मू-कश्मीर की इकोनॉमी भी मजबूत होगी।

सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं विकास की यह यात्रा...

अमित शर्मा

बीते एक दशक में भारत ने कई ऐतिहासिक मोड़ पार किए हैं। योजनाएं जमीन पर उतरीं, तकनीक गांव-गांव तक पहुंची, विश्व मंचों पर भारत की आवाज बुलंद हुई और सबसे बढ़कर- हर नागरिक के मन में देश के प्रति एक नई चेतना का संचार हुआ है। बीते 11 सालों में इस देश ने परिवर्तन की ऐसी प्रेरणादायक यात्रा तय की है जिसमें प्रत्येक निर्णय, प्रत्येक योजना और प्रत्येक उपलब्धि एक 'नवजागरण' का हिस्सा रही। कैसे 2014 से 2025 तक भारत ने खुद को विकास, विश्वास और विजय के पथ पर अग्रसर किया, आज इस बात पर दुनिया की निगाह है। बीता दशक एक सशक्त, स्वावलंबी, स्वाभिमानी भारत के पुनर्जागरण का गवाह बन गया है। विकास की यह यात्रा सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं है बल्कि गांव-गरीब तक सरकारी योजनाओं का पहुंचना अपने आप में बड़ा बदलाव है। यही वजह है कि भारत का मध्यम वर्ग अब सिर्फ एक आर्थिक श्रेणी नहीं, बल्कि देश की प्रगति का मेरुदंड बन चुका है। पिछले ग्यारह वर्षों में केंद्र सरकार ने कर ढांचे, शहरी व ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता और पेंशन सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में ठोस पहल कर इस वर्ग के जीवन को सम्मान, स्थायित्व और सशक्तिकरण से जोड़ा है। इसके अलावा विश्व पटल पर भी भारत आज मजबूती से खड़ा नजर आता है। लगातार की गई नीतिगत पहलें केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि जमीनी बदलाव की मिसाल बन गई है। चाहे वह स्वास्थ्य का बोझ कम करना हो, घर का सपना साकार करना हो या दुनिया में भारत की अलग पहचान बनाना ये सब उपलब्धियां भरोसे और उत्तरदायित्व से भरे शासन की परिचायक हैं। बीते एक दशक में भारत न सिर्फ देश के अंदर के हालात बदले हैं बल्कि वैश्विक छवि भी सशक्त हुई है। 2023 में ज20 की अध्यक्षता भारत ने 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के मंत्र के साथ की। विदेश यात्राओं, प्रवासी भारतीय सम्मेलनों और रणनीतिक साझेदारियों ने भारत को वैश्विक मंचों पर

मजबूती से स्थापित किया। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन भारत की पर्यावरणीय कूटनीति का प्रमाण है। 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 के बालाकोट एयर स्ट्राइक ने भारत की रक्षा नीति को आक्रामक रूप दिया। इसका संदेश स्पष्ट था कि भारत अब चुप नहीं बैठेगा। 2019 में अनुच्छेद 370 की समाप्ति ने जम्मू-कश्मीर को भारत के संविधान की मुख्यधारा में शामिल किया। पहलगाम हमले के जवाब में हुए ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद की जड़ें हिला दी हैं। आतंकवाद के ठिकानों को मिट्टी में मिलाकर भारत ने दुनिया को संदेश दिया कि नया भारत अपने दम पर सीना तानकर खड़ा है। डिजिटल इंडिया अभियान ने प्रशासन, सेवाएं और नागरिकों के जीवन में तकनीकी क्रांति लाई। गांवों तक इंटरनेट, सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन उपलब्धता और डिजिटल भुगतान व्यवस्था ने एक नया युग शुरू किया। यूपीआई के माध्यम से 2023 में भारत ने 100 अरब से अधिक लेनदेन किए, जिससे वह दुनिया में रियल टाइम डिजिटल भुगतान का अग्रणी देश बन गया। मोदी सरकार ने 2030 तक 450 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य रखा है। सौर, पवन और जल ऊर्जा में भारत ने बड़े निवेश किए। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन भारत और फ्रांस की साझेदारी में बना एक ऐसा मंच है, जो 100 से अधिक देशों को स्वच्छ ऊर्जा समाधान में सहयोग करने की सुविधा देता है। 2024 में अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन न केवल धार्मिक बल्कि राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बना। लाखों श्रद्धालुओं की आस्था को नया ठिकाना मिला। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और केदारनाथ पुनर्विकास ने तीर्थाटन को सुविधाजनक और समृद्ध बनाया। यह योजनाएं आस्था और आधुनिकता का सुंदर संगम थीं। 2025-26 के बजट में ऐतिहासिक कर सुधारों की घोषणा की गई। अब 12 लाख रुपए तक की सालाना आय पर (कुछ विशेष आयों को छोड़कर) कर नहीं लगेगा। इससे करोड़ों वेतनभोगी नागरिकों को राहत मिलेगी, भले ही इससे सरकार को 1 लाख करोड़ रुपए का राजस्व छोड़ना पड़े। सरल रिटर्न प्रक्रिया, पहले से भरे हुए फॉर्म और फेसलेस ई-असेसमेंट जैसे डिजिटल उपायों से कर अनुपालन में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। ख्रु 2013-14 में 3.91 करोड़ व्यक्तिगत इनकम फाइलिंग बढ़कर ख्रु 2024-25 में 9.19 करोड़ तक पहुंच गई। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत हर साल 6,000 रुपए की सीधी सहायता 11 करोड़ से अधिक किसानों को दी गई। यह आर्थिक सहायता खेती की स्थिरता के लिए वरदान साबित हुई। फसल बीमा योजना और सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं ने ग्रामीण भारत को प्राकृतिक आपदाओं और जल संकट से लड़ने में मदद दी। वस्तु एवं सेवा कर की शुरुआत 2017 में 'एक राष्ट्र, एक कर' के सिद्धांत पर हुई। इसने राज्यों और केंद्र के जटिल टैक्स ढांचे को खत्म कर व्यापारिक सुगमता को बढ़ाया। हालांकि आरंभ में कुछ समस्याएं आईं लेकिन अब इसे भारत के सबसे बड़े कर सुधारों में गिना जाता है। 2016 में लागू हुआ इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड बैंकों के फंसे कर्जों को सुलझाने और कॉर्पोरेट पारदर्शिता को बढ़ाने में अहम साबित हुआ। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (कारोबार करने की सुगमता) में भारत की रैंकिंग 2014 में 142 थी जो 2020 में 63 पर आ गई यह संकेत है कि सरकार ने लाइसेंस, मंजूरी और कारोबार की प्रक्रिया को सरल किया। मोदी सरकार के कार्यकाल में सड़क निर्माण की गति 12 किमी/प्रतिदिन से बढ़कर 30 किमी/प्रतिदिन से अधिक हो गई। नई एक्सप्रेसवे और हाइवे ने शहरों को गांवों से जोड़ा और लॉजिस्टिक्स को नया आयाम दिया। उड़ान योजना ने 90 हवाई अड्डों को 625 रूट्स से जोड़ा है। 1.49 करोड़ से अधिक नागरिकों ने कम लागत वाली हवाई यात्रा की है। 2014 में 74 हवाई अड्डों वाला भारत अब 159 हवाई अड्डों का देश बन चुका है। प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत 55 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए, जिससे गरीब और पिछड़े वर्ग को पहली बार बैंकिंग से जोड़ा गया। उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन मिला। इससे स्वास्थ्य सुधरा और वनों पर दबाव घटा। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 4 करोड़ से अधिक पक्के घर बनाए गए, जिनमें बिजली, पानी, शौचालय जैसी सुविधाएं शामिल रहीं। 2014 में शुरू हुआ स्वच्छ भारत अभियान केवल शौचालय निर्माण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें जनमानस की सोच भी बदली। 11 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण के साथ ग्रामीण भारत में खुले में शौच की दर 39ब से घटकर 1ब से भी कम हो गई।

हमारी मौलिकता में नई स्थापनाओं को जन्म दे रहा बदलाव

शोभा जैन

आधुनिकता के आगमन के साथ हम यथार्थ के नए धरातल पर पहुंच गए। हमारी जरूरतें ही नहीं, गैरजरूरी चीजों की सूची भी बदल गई। मानवीय श्रम और मनुष्य की चेतना की गति, सीमा और विस्तार से बंधी। इसके बीच कोई नई तीसरी चीज नहीं है। यह सबके जीवन में समांतर चलती है। बावजूद इसके सबके जीवन के अनुभव भिन्न होते हैं। सुख के कारण और दुख की नियति भी भिन्न। मानव समाज हर तरह से युग्म के सिद्धांत पर चलता है। दो के बिना किसी तीसरी अवस्था या स्थिति का जन्म संभव ही नहीं। फिर यह इकहरापन क्यों विस्तार पा रहा? साहित्य ही क्यों, जबकि जीवन भी एकवचन नहीं है। यह बहुआयामी है। हां, इसके प्रति हम जरूर वचनबद्ध हो सकते हैं। दो पत्थरों के रगड़ने से आग का निकलना। इसमें दोनों पत्थरों का होना जरूरी है और इससे एक तीसरी चीज नमूदार होती है- आग। जब आग पैदा होती है तो हर पत्थर का अस्तित्व दूसरे के महत्व को स्थापित करता है। ऐसे में किसी एक को अधिक महत्त्वपूर्ण और दूसरे को कम महत्त्वपूर्ण नहीं माना जा सकता। हर एक का अस्तित्व अपने साथ-साथ दूसरे को प्रकाशित करता है। जीवन का यथार्थ भी ऐसा ही संवेदन है। बिना किसी बौद्धिक बोझ के अपने स्वत- प्रवाह में टकराव नहीं, रगड़ पैदा होती है। सच पूछा जाए तो अब जीवन न तो एक सीमित दायरे में व्यक्त होता है, न प्रकृति के अनुरूप। एक दूसरे पर आश्रित न रहने की वृत्ति ने एकाकी बना दिया। जीवन ऋतु-चक्रों पर पूर्णतया आश्रित भी नहीं रह गया, बल्कि प्रकृति पर वर्चस्व कायम करने की इच्छा बलवती हो रही। भीतर परनिर्भरता का मिथक तोड़ दिया गया। इस टूटने ने उस पुरानी लय को भी जीवन से विशृंखलित कर दिया। पहले जो चक्रीय था, अब वह अन्य ज्यामितिक संरचनाओं में ढलने लगा है। यही बदलाव हमारी मौलिकता में नई स्थापनाओं को जन्म दे रहा, लेकिन यह नयापन कितना सामाजिक-मानवीय होगा, कितना संवेदन? जुड़ाव क्या इतना अंतरंग है कि आग पैदा कर सके? हम जिस समाज की बात करते हैं, वह समाज पूर्व के अनुभवों पर तैयार हुआ है। उसका कल भी उसी रगड़ से गुजरेगा। उस रगड़ में किसी एक के आधिक्य या दूसरे के कमतर होने की कोई गुंजाइश ही नहीं। वेदना से संवेदना तक मनुष्य के भीतर जो कुछ भी घटित होगा, वह दो लोगों के समान अस्तित्व से जन्मा है। ठीक उसी तरह, जिस तरह यह धरती पशु और वनस्पति के परस्पर आश्रित से दोनों के अस्तित्व को सुरक्षित रखती है। वह जीवन की उस गति को मूर्त करने का प्रयत्न करती है जो तप कर आकार लेती है। जीवन के बनने या परिपक्व होने के क्रम में, बल्कि क्रमिकता में असंख्य क्रमभंग मौजूद रहते हैं। कुछ अंतराल और विपरीत समन्वय से नए बोध भी। यह मनुष्य के सामाजिक होने की अनिवार्य शर्त भी है। अब लोग एक दायरे के बाहर नहीं जाते। जबकि समाज अपनी स्थानिकता से मजबूती से जुड़ा हुआ है। लेकिन घर में रहकर भी हमने एकल दुनिया बसा ली, जो शुरूआत में तो आकर्षक लगती है, लेकिन धीरे-धीरे भीतर से खोखला कर देती है। मगर हम तब भी नहीं ठहरते। सतही दृष्टि से देखकर आगे निकल जाते हैं। अंतर्बोध में जो एक व्यापक परिवर्तन आता है, वह चीजों को निकट से देखने पर ही आता है, लेकिन हम चलते-फिरते चार काम साथ में करते हुए देखते हैं कि कितने लोगों ने हमें देखा। वह जो हमारे बीच से होकर गुजर जाता है, ठहर नहीं पाता और हम कहते हैं, हमें तो पता ही नहीं। हमें पता ही नहीं कि वास्तविकता या यथार्थ क्या है। हम तो बस अपने लोकप्रिय होने के पैमाने को देखते हैं। हमारा असली यथार्थ वही नहीं, जो हम जी रहे होते हैं। हमारा यथार्थ हमारे स्वप्नों, हमारी आकांक्षाओं, हमारी इच्छाओं, हमारे उन विकल्पों के भीतर भी छिपा रहता है, जिन्हें हम चुन नहीं सके। मगर वे हमारे भीतर उतने ही जीवंत और स्पंदनशील हैं। हम कभी घर के द्वार से गुजरते गीत गाते फकीर को सुन नहीं पाते। मंदिर की घंटियों के बीच से गाय का रंभाना हो या शहर की व्यस्ततम सड़कों की सूनी दोपहरें हम नहीं देख पाते। वह सब जिसने हमारे जीवन का परिवेश निर्मित किया। हम उसे महज एक दिनचर्या मानकर आगे निकल जाते हैं। उसके लिए जो कभी-कभी घटित होगा। हम पूरी तरह अपनी स्वतंत्रता का स्वाद चखना चाहते हैं।

इजरायल का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर

इजरायल के हथियार निर्यात ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। वर्ष 2024 में इजरायल का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 14.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। बड़ी बात यह है कि इजरायल के शीर्ष हथियार खरीदारों में कभी दुश्मन रहे देश भी शामिल हैं। इसके अलावा भारत भी इजरायल का बड़ा रक्षा खरीदार बनकर उभरा है। इजरायल के सैन्य निर्यात ने नया रिकॉर्ड बनाया है। यह रिकॉर्ड तब बना है, जब इजरायल एक साथ कई मोर्चों पर युद्ध लड़ रहा है। नई रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने 2024 में पहले से कहीं अधिक हथियार अन्य देशों को बेचे हैं। वर्तमान में इजरायल गाजा में युद्ध लड़ रहा है। वहीं, सीरिया, लेबनान, ईरान और यमन में हवाई हमले और स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन चला रहा है। इजरायल पर गाजा में युद्ध समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव भी बढ़ रहा है। इसके बावजूद यह देश झुकने को तैयार नहीं है और दुश्मनों से जमकर लोहा ले रहा है। यूरेशियन टाइम्स ने बताया कि इजरायल के रक्षा मंत्रालय के नए आंकड़ों के अनुसार, 2024 में इजरायल का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 14.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। इसने 2023 में 13 बिलियन अमेरिकी डॉलर के पिछले उच्च स्तर को तोड़ दिया। इजरायल ने हथियारों की बिक्री में साल-दर-साल 13 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की, जिससे यह स्पष्ट रूप से स्थापित हुआ कि इसके रक्षा निर्यात, गाजा में चल रहे युद्ध और मानवाधिकारों के हनन और यहां तक कि नरसंहार के आरोपों के कारण वैश्विक स्तर पर इसकी बढ़ती आलोचना और अलगाव से अछूते हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट ने गणना की कि 2019 से 2023 की अवधि में रूसी हथियारों के निर्यात में पिछले पांच साल की अवधि की तुलना में आधे से भी कम कमी आई है। अन्य अनुमानों ने और भी भयावह तस्वीर पेश की है। जेम्सटाउन फाउंडेशन के अनुसार, यूक्रेन के लिए पुनर्निर्देशित संसाधनों, प्रतिबंधों, मुद्रास्फीति और वित्तपोषण संबंधी मुद्दों के कारण 2021 से 2024 तक रूस के हथियारों के निर्यात में 92 प्रतिशत की गिरावट आई है। चूंकि रूस भारत से लेकर अरब देशों तक एशिया में अपने विरासत रक्षा निर्यात बाजारों को खो रहा है, इसलिए इज़राइल ने इस कमी को पूरा करने के लिए कदम बढ़ाया है। इजरायल का निर्यात लगातार चौथे साल बढ़ा इजरायल के रक्षा मंत्रालय ने कहा, यह अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है और लगातार चौथा वर्ष है जब इजरायल के रक्षा निर्यात के लिए एक नया रिकॉर्ड बनाया गया है। अपने सबसे लंबे युद्ध के दौरान इजरायल की बढ़ती हथियारों की बिक्री रूस के बिल्कुल विपरीत है, जहां यूक्रेन में युद्ध के दौरान रक्षा निर्यात बिखर गया है। डेटा से पता चलता है कि इजरायल ने कुछ पूर्व रूसी हथियार निर्यात बाजारों में विस्तार किया हो सकता है। यूरोप इजरायली हथियारों के निर्यात का सबसे बड़ा बाजार है आंकड़ों के अनुसार, यूरोप इजरायली हथियारों के निर्यात का सबसे बड़ा बाजार है, जो इजरायल के रक्षा निर्यात का 54ब हिस्सा है। 2023 में, यूरोप में इजरायली हथियारों के निर्यात 35ब था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 2024 में यूरोपीय देशों ने लगभग 8 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के इजरायली सैन्य उत्पाद खरीदे, जबकि 2023 में यह 4.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। इसका प्रमुख कारण रूस-यूक्रेन युद्ध है, क्योंकि यूरोप अपने रक्षा खर्च को बढ़ा रहा है और अपने घटते सैन्य भंडार को फिर से भरने की कोशिश कर रहा है। एरो 3 एयर डिफेंस सिस्टम के लिए जर्मनी के साथ के ऐतिहासिक सौदे ने इन हथियारों की बिक्री में एक बड़ा हिस्सा दिया। इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने एरो 3 मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए जर्मनी के साथ 3.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर का समझौता किया, जो इजरायल के इतिहास में सबसे बड़ा रक्षा सौदा है।

शासकीय आईटीआई में प्रवेश हेतु 16 जून तक करें आनलाईन आवेदन

मंदसौर, मल्हारगढ़, सीतामऊ, शामगढ़, गरोठ एवं भानपुरा में आईटीआई के लिए कर सकते है आवेदन

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। शासकीय आईटीआई प्राचार्य श्री मुकेश मौर्य द्वारा बताया गया कि शासकीय आईटीआई नयाखेड़ा मंदसौर में इलेक्ट्रीशियन, फीटर, मोटर मेकेनिक, वेल्डर, कोपा, ड्राफ्टसमैन सिविल, हिंदी स्टेनो, सोलर टेक्नीशियन ट्रेड, मल्हारगढ आईटीआई में इलेक्ट्रीशियन, फीटर, डीजल मेकेनिक, वेल्डर, कोपा, ड्राफ्टसमैन सिविल, सीतामऊ आईटीआई में इलेक्ट्रीशियन, फीटर, वेल्डर, कोपा, स्टेनोग्राफी इंग्लिश, मैकेनिक इलेक्ट्रीक व्हीकल, सोलर टेक्नीशियन ट्रेड, शामगढ आईटीआई में इलेक्ट्रीशियन, फीटर, डीजल मेकेनिक, वेल्डर, कोपा, हिंदी स्टेनो, गरोठ आईटीआई में इलेक्ट्रीशियन, फीटर, मोटर मेकेनिक, कोपा, सोलर टेक्नीशियन एवं मशीनिष्टट्रेड, भानपुरा आईटीआई में इलेक्ट्रीशियन, फीटर, वेल्डर, इलेक्ट्रानिक मैकेनिक, कोपा, रेफरेजरेशन एण्ड एयर कंडिशनिंग टेकनिशियन ट्रेड में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन 16 जून 2025 अंतिम तिथि है।

आईटीआई हेतु निर्धारित योग्यता 8वीं एवं 10वी पास है। आईटीआई की समस्त सीटों में महिलाओं का 35 प्रतिशत आरक्षण है। यदि 8वीं पास छात्र 2 वर्षीय कोर्स में प्रवेश लेता है तो उसे 10वीं भी आईटीआई द्वारा ही करा दी जायेगी। इसी प्रकार यदि कोई छात्र 10वी पास 2 वर्षीय कोर्स में प्रवेश लेता है तो उसे 12वीं भी आईटीआई द्वारा ही करा दी जायेगी। जिसमें 12वीं की अंकसूची मध्यप्रदेश ओपन बोर्ड द्वारा प्रदान की जावेगी। आवेदन हेतु https://mpiticounseling.co.in/ पर विजिट करे। प्रवेश संबंधित अधिक जानकारी के लिए शासकीय आईटीआई नयाखेडा मंदसौर में कार्यालयीन समय या मोबाईल नम्बर 8251825105 पर संपर्क कर सकते हैं।

भगवान श्री जगन्नाथ स्नान यात्रा का भव्य आयोजन आज

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। इस्कॉन द्वारा आज 11 जून, बुधवार को

सायं 5 बजे से सोनाली फैशन के आगे वाले गार्डन, कम्बल केन्द्र रोड, मंदसौर पर श्री जगन्नाथ स्नान यात्रा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन भक्ति, संकीर्तन और प्रसाद अनूठा संगम होगा। धीरज पोरवाल ने बताया कि आज बुधवार को आयोजित इस धार्मिक आयोजन में सायं 6:30 बजे से भगवान जगन्नाथ जी का भव्य महाअभिषेक होगा। सभी भक्तों के लिए निशुल्क अभिषेक सेवा रखा गया है। साथ ही इस्कॉन का फेमस कीर्तन का आनन्द भी भक्तगण ले पायेंगे। इस दौरान सभी को प्रभु का महाप्रसाद भी वितरित किया जाएगा। अभिषेक करने के इच्छूक पुरूष धोती पहनकर तथा महिलाएं साड़ी या सलवार कुर्ती पहनकर आएं। इस्कॉन द्वारा सभी भक्तों ने इस भव्य आयोजन में सपरिवार सम्मिलित होने की विनती की है।

दरगाह-मस्जिद वक्फ़ बोर्ड नवीन कमेटियों का गठन

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) के आदेशानुसार जिला अध्यक्ष अमजद पठान ने भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित की अनुशंसा से नवीन दरगाह मस्जिद वक्फबोर्डकमेटियों का गठन किया। जिसमें नाहर सैयद दरगाह कमेटी का अध्यक्ष पद पर यूनुस मेव, गांगी मस्जिद खानपुरा के अध्यक्ष पद पर सादिक हुसैन गामा और नूरानी मस्जिद नयापुरा के अध्यक्ष पद पर सांसद प्रतिनिधि सलीम भाई रेडीमेड नियुक्त किये गये। जिन्हें आज नाहर सैयद दरगाह परिसर में सभी को जिला वक्फ कमेटी मंदसौर जिला अध्यक्ष अमजद पठान, उपाध्यक्ष शाकिर हुसैन गढ़वी, जिला सदस्यगण हारुन लाला झावल, हारुन कुरैशी सरपंच ग्राम पंचायत कचनारा, अजीजुल्लाह खान एडवोकेट, जुल्फिकार शाह, सिद्दीक़ शाह, मीडिया प्रभारी अफसर पठान की उपस्थिति में सभी को नियुक्ति पत्र दिए एवं कमेटियों की ओर से जिला वक्फ़ कमेटी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण का साफा एवं पुष्प माला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। मुस्लिम समाजन के ज्येष्ठश्रेष्ठ पदाधिकारी- कार्यकर्ता एवं समाजजन बडी संख्या उपस्थित रहे और सभी ने नवीन दरगाह मस्जिद कमेटी अध्यक्ष एवं मेम्बरान को दिली मुबारकबाद दी और बोर्ड का शुक्रिया अदा किया।

प्रो. गिरीश ने आध्यात्मिकता के पथ पर जीवन उत्सव विषय पर मार्गदर्शन दिया

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध इंदिरा गांधी चिकित्सालय में अधिष्ठाता श्रीमती डॉ शशि गांधी के मार्गदर्शन में आध्यात्मिकता के पथ पर जीवन उत्सव कार्यक्रम रखा गया।

जिसमें ब्रह्मकुमारी मुंबई से आए प्रोफेसर ई.वी. गिरीश और मंदसौर के ब्रह्मकुमारी उषा बहन, बहन हेमलता दी, बी.के. श्रीपाल के द्वारा आध्यात्मिक मेडिटेशन एवं विज्ञान से जुड़ी बातें बताई। इस कार्यक्रम में चिकित्सा महाविद्यालय के समस्त चिकित्सा शिक्षक सीनियर रेसिडेंट जूनियर रेसिडेंट एफएमजी छात्र एमबीबीएस चिकित्सा छात्र उपस्थित हुए। प्रो. गिरीश ने महत्वपूर्ण बातों में जो ध्यान दिया वो है साइंस और आध्यात्मिक का सिनर्जी, ज़िन्दगी के जीने का परसेप्शन, पॉजिटिव माइंड सेट, दिमाग़ की विभूतियों का कंट्रोल, इमोशंस पर कंट्रोल, पॉजिटिव माइंड सेट और मेडिकेशन के द्वारा नेगेटिविटी को मिटाने का फैकल्टीज और एमबीबीएस छात्रो को मार्गदर्शन दिया। आपने महत्वपूर्ण बात की जिंदगी की कश्मकश में कैसे हस्ते रहे मुस्कुराते रहे पर भी मार्गदर्शन दिया।

आठ शासकीय उचित मूल्य दुकानों द्वारा ईकेवाईसी न करने पर मई माह का वेतन राजसात किया

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी उपखंड सीतामऊ द्वारा बताया गया कि उपखंड सीतामऊ की 08 शासकीय उचित मूल्य दुकानों द्वारा ईकेवाईसी करने मे रुचि नहीं लेने के कारण तथा शासन के निर्देशानुसार कार्य समय सीमा मे पूर्ण नहीं करने से माह मई 2025 मे देय कमीशन शासन हित मे राजसात किया गया। शासकीय उचित मूल्य दुकान बसई, हरिपुरा, आम्बा, गेलाना, शक्करखेडी जागीर, कांटिया, ढोढर एवं खजुरीगोड है। उपखंड सीतामऊद्वारा छत्रड्डअ मे सम्मिलित शेष समस्त पात्र हितग्राहियों की ईकेवाईसी करने हेतु शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओ को निर्देशित किया गया था तथा शासन द्वारा अति महत्वपूर्ण अभियान चलाया जाकर ईकेवाईसी की जा रही थी। परन्तु उपखंड सीतमाऊकी 8 दुकानों द्वारा ईकेवाईसी का कार्य नहीं किया गया है।

सभी नगरीय निकाय लार्वा नष्टीकरण के प्रबंध सुनिश्चित करें-चंद्रा

मलेरिया निरोधक के तहत अंर्तविभागीय कार्यशाला सम्पन्न

नीमच, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जून माह को मलेरिया निरोधक माह के तहत मनाया जा रहा है। मच्छर जनित बीमरियों यथा मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया रोग नियंत्रण एवं बचाव आदि के संबंध में आमजनों में जागरूकता के लिए विभिन्न कार्यक्रमो का आयोजन किया जा रहा है। इसी कडी में मंगलवार को टी.एल. बैठक के पश्चात कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा की अध्यक्षता में मलेरिया निरोधक माह जून 2025 के अंतर्गत विभिन्न विभागों के समन्वय हेतु अंतर विभागीय कार्यशाला का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष नीमच में किया गया। उक्त कार्यशाला में सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने सभी विभागों को मच्छरजन्य परिस्थितियों को समाप्त कर बीमारियों के नियत्रंण में सहयोग के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया, कि मानसून के दौरान मच्छर की उत्पत्ति के स्त्रौत बढ जाते है। इन्हे नष्टकर मच्छरजनित बीमारियों पर नियत्रंण किया जा सकता है। मलेरिया नियंत्रण के लिए स्कूलों, कॉलेजों, छात्रावासों, आंगनवाडियों आदि में विभिन्ना जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित करने के निर्देश भी संबंधित विभागों को कलेक्टलर द्वारा दिए गए हैं। साथ ही स्थानीय निकायों को मच्छ रों की उत्प त्ति की रोकथाम, लार्वा नष्टीरकरण के प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला मलेरिया अधिकारी श्री अल्पेश बारिया ने सभी विभागों से मच्छरजन्य परिस्थितियों को नष्टकरने में सहयोग की अपील की।

शिवना शुद्धिकरण अभियान अंतर्गत जारी है तट पर पौधे लगाने का कार्य

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। विधायक श्री विपिन जैन के नेतृत्व में चल रहे शिवना शुद्धिकरण अभियान के 41वें दिन शिवना पुत्रों ने शिवना तट पर पौधे लगाने का क्रम जारी रखा। एक ट्राली गंदगी निकाली,वहीं नदी के किनारों से कटीली झाड़ियां हटाई गई तथा वहां जमा गाद को भी साफ किया।

विधायक श्री विपिन जैन ने बताया कि जल्द ही यहां लगाये पौधे बड़े होंगे तथा शिवना तट का सौंदर्यीकरण दिखाई देने लगेगा। आपने सभी नगरवासियों से इस अभियान में भाग लेने का आव्हान किया। मंगलवार को श्रमदान में विधायक विपिन जैन, समाजसेवी मनीष भावसार, रामचन्द्र मालवीय टीआई, महेश दुबे, राकेश जैन पिंटू ,सुनील मिण्डा, हेमराज खाबिया, घनश्याम भावसार,नमन पालीवाल,विजय आनंद, अभिषेक तिवारी,रमेश सोनी पंकज जैन, प्रणव जैन, राजेश, इशबसिंह चौहान, केशरसिंह गोड़,हेमन्त मेहता, गायत्री परिवार अमलावद से रामचन्द्र जोशी, राधेश्याम शर्मा, धारियाखेडी से जगदीशचन्द्र पाटीदार, भरतसिंह, रलायता से घनश्याम परमार, महिला नेत्री रफत पयामी, इष्ठ भाचावत, अनिता भदौरिया, वर्षा दोसरिया, दीपाली पोरवाल, गीताली पोरवाल, रिद्धी पालीवाल, अन्वी पालीवाल, कांग्रेसजन मे विकास दशोरा, योगेन्द्र जोशी, राजेश फरक्या, दिलीप देवडा , संजय नाहर, विश्वास दुबे,मोहम्मद साबिर इलेक्ट्रीशियन रमेश सिंगार, मुलचंद पाटीदार, मुकेश पाटीदार,रमेश ब्रिजवानी, शिवशंकर सौलंकी ,राजा भाई, सोहनलाल धाकड़, राव,सादिक गौरी,कैलाश कुमावत, मनोहर नाहटा, अजय सोनी, आमिन खान, महेश गुप्ता ,नारायणसिंह रेवास, शैलेन्द्र गोस्वामी,राकेश सेन, ऋषिराज लाड, मिथुन कटारिया, गोपाल बंजारा, दीपक लाड़, सत्यनारायण मालवीय, अकरम खान, नितनेश बसेर, दीपक नागर, गणपत कुमावत, महिपालसिंह, इन्द्रेश कुमावत भगत, योगेन्द्र गोड़ आदि उपस्थित रहे।

नवीन दौर की चुनौतीपूर्ण पत्रकारिता को जिम्मेदारी से निभा रहे है अंचल के पत्रकार-गुर्जर

आंचलिक पत्रकार संघ के मंदसौर जिला सम्मेलन में जनप्रतिनिधियों व संघ के प्रदेश पदाधिकारियों ने दिया मार्गदर्शन

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। आंचलिक पत्रकार संघ म.प्र. का मंदसौर जिला सम्मेलन मंगलवार को संस्कार मैरिज गार्डन मंदसौर में सम्पन्न हुआ। जिसमें प्रदेश व जिले के जनप्रतिनिधियों सहित संघ के प्रदेश पदाधिकारियों का मार्गदर्शन मिला। आयोजन में ओंकारेश्वर, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि पत्रकारिता एक चुनौती पूर्ण कार्य है, व्यक्ति पत्रकारिता का संकल्प लेकर काम करता है। जिन्हें कई समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। ग्रामीण अंचल के पत्रकार जब मैदान में जाकर समस्याओं को उठाते हैं तो निश्चित ही कुछ परेशानियों का सामना उन्हें भी करना पड़ता है। श्री गुर्जर ने कहा कि पत्रकार भी एक धर्म युद्ध को लेकर काम कर रहा है जो देश की सेवा के समान हैं। भारत को विश्व का सबसे मजबूत देश बनाने में आप सभी का जो सहयोग है, उसे भुलाया नहीं जा सकता है। मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन ने कहा कि अंचल में पत्रकारिता करना सबसे कठिन काम है। गांव में पत्रकार को पेपर बांटने से लेकर खबर लिखने तक की सभी जिम्मेदारी निभाना होती है। संसाधनो के अभाव में भी ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकार सभी कार्य को जिम्मेदारी से निभाते आ रहे है। युवा कांग्रेस नेता सोमिल नाहटा ने कहा कि पारदर्शिता एवं सजग पत्रकारिता के लिए मंदसौर जिले का नाम देश में जाना जाता है। समय बदल रहा है,संघर्ष भी बदल रहा है। पत्रकारों से हम उम्मीद रखते हैं, लेकिन हमारी भी जिम्मेदारी पत्रकारों के लिए होती है। जहां-जहां सच्चाई है वहां हमे भी आखों से आखें मिलाना होगी। सडकों पर दौडकर जो पत्रकारिता करते हैं ,वही सच्ची पत्रकारिता होती है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य अनिल कियावत ने कहा कि अंचल के पत्रकार वास्तविक स्थिति से अवगत कराते हैं। वास्तविक संघर्ष पत्रकारिता का अंचल के युवा करते है। इस अवसर पर आंचलिक पत्रकार संघ म.प्र. के प्रदेश अध्यक्ष श्री रमेश टांक ने कहा की पत्रकारिता के क्षेत्र में कई उतार-चढाव देखे हैं। आंचलिक पत्रकार संघ के पत्रकार कभी भी पीत पत्रकारिता नहीं करते है। असली पत्रकारिता की शुरुआत चौपाल से ही होती है,जो असल में अंचल का पत्रकार करता है।

जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार ने कहा कि जंगल का राजा शेर होता है, उसे किसी राज्याभिषेक की जरूरत नहीं होती है। इसी प्रकार पत्रकार भी एक संकल्प के साथ आगे बढ़ता है,उसका जीवन भी संघर्ष भरा रहता है। जीवन में कभी उतार चढाव आए तो मन में निराशा नहीं लाना चाहिए। पद, पैसा और पावर जीवन में कुछ समय के लिए होता है, स्थाई नहीं होता है। हमे अपने कर्तव्यों को प्रति हमेंशा सजग रहना चाहिए। पत्रकार जनता और देश सेवा के लिए निरंतर कार्यरत हैं। फ जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष प्रियंका गोस्वामी कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण होता है पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना गया है। समाज सुधारने का काम सभी की जिम्मेदारी है। हमने चांद पर पहुंचना सीख लिया लेकिन धरती पर चलना भूल गए हैं। वर्तमान की समस्याओं की ओर हम सब की जिम्मेदारी है हम सभी समाज को एक अच्छी पीढी दे। जिला पंचायत सदस्य दीपक गुर्जर ने कहा कि हमेशा पत्रकार से सीखने को मिला है, समाज के बीच जो समस्याएं पत्रकार उठाते हैं उन्ही पर जनप्रतिनिधि कार्य करते हैं। भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री विजय सुराणा ने कहा कि सच को सच कहने का साहस पत्रकार में ही होता है। जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष नरेश चंदवानी ने कहा कि समस्याओं को उठाना कठिन काम है, अंचल के छोटे पत्रकार संघर्ष कर उन खबरों को बखूबी से उठाते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वतीजी की पूजा अर्चना के साथ हुआ। स्वागत भाषण आंचलिक पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष तुलसीराम राठौड ने दिया। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी आंचलिक पत्रकार संघ के प्रदेश सचिव अब्दुल वाहिद रईस ने दी। इस अवसर पर समाजसेवी नाहरूखा मेव, आंचलिक पत्रकार संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश पाठक, रमेश गोयल, राधेश्याम बैरागी ने भी संबोधित किया। आंचलिक पत्रकार संघ के सम्मेलन में ओंकारेश्वर, देवास, खरगोन, उज्जैन, रतलाम, इंदौर, नीमच , डीकेन, जावद, महिदपुर तथा मंदसौर के वरिष्ठ पत्रकार डॉ.घनश्याम बटवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, ब्रजेश जोशी, बलवंत फांफरिया, आशुतोष नवाल, प्रकाश सिसोदिया, नरेंद्र अग्रवाल, लोकेश पालीवाल, राहुल सोनी ,मनीष पुरोहित, चरण राजपाल, शाहिद चौधरी, रमेश गौड़, बाबूलाल नागर, प्रवीण शर्मा, ईश्वर सूर्यवंशी, श्याम शर्मा, कांजी भाई, ओमप्रकाश बटवाल, अभिषेक विद्यार्थी, सुरेश भावसार, कपिल शर्मा, सुधीर शर्मा, अजय बाडोलिया, नरेंद्र धनोतिया, रमेश सोनी, दिनेश छालीवाल, गोपाल उपाध्याय, रघुवीर सिंह राजपूत, दिलराज शर्मा, सूरजमल राठौर, अनिल भरावां, दिनेश शुक्ला ,देवेंद्र चौकसे, ललित दुबे ,दरबार सिंह, पंकज शर्मा, जेपी तेलकार, अर्जुन सिंह राजपूत, जितेंद्र सिंह, मुकेश आर्य, रमेश सोनी, उमेश नेक्स, मोहसिन कुरेशी, शंकर ककनानी, विजेंद्र फांफरिया, मंगलेश सूर्यवंशी संजीत, विश्वास दुबे, पप्पू सोलंकी, जितेश फरक्या, ललित भाटी, दीपेश गुजरिया, हरिओम गंधर्व, अभिषेक असवार, कन्हैयालाल परमार, श्याम शर्मा, प्रकाश बैरागी ,भूपेंद्रसिंह चंद्रावत, दीपक माली, धर्मेंद्र सिंह रानेरा, पंकज पामेचा सहित पत्रकार साथी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन आंचलिक पत्रकार संघ के सहसचिव गायत्री प्रसाद शर्मा ने किया। अंत में आभार ओमप्रकाश बटवाल ने माना।

पोलिटेक्निक महाविद्यालय में प्रवेश हेतु काउंसलिंग का द्वितीय चरण प्रारम्भ

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। शिवशंकर शर्मा शा. पोलीटेकनिक महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा बताया गया कि शासकीय पोलीटेक्निक महाविद्यालय में सत्र 2025-26 में संचालित ब्रांच कम्प्युटर साईस एण्ड इंजी., इलेक्ट्रानिक्स एण्ड टेलीकम्युनिकेशन इंजी., इलेक्ट्रिकल इंजी. एवं मैकेनिकल इंजी में प्रवेश हेतु काउंसलिंग के द्वितीय चरण के पंजीयन प्रारम्भ हो गये है। पंजीयन की अंतिम तिथि 17 जून 2025 निर्धारित है।

महाविद्यालय में संचालित ब्रांच में प्रवेश हेतु 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के पंजीयन के लिए आवश्यक दस्तावेज 10वीं की अंकसूची, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र एवं पासपोर्ट साईज फोटो लेकर महाविद्यालय में उपस्थित होकर नि:शुल्क पंजीयन करवा सकते है। डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लेने पर एआईसीटीई की प्रगति/सक्षम/स्वनाथ/यशस्वी योजना का लाभ नियमानुसार दिया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए शिवशंकर शर्मा शासकीय पोलीटेकनिक महाविद्यालय मंदसौर पर कार्यालय समय या मोबाईल नम्बर 9826747125 पर सम्पर्क कर सकते है।

नपा के द्वारा बुगलिया कैनाल की सफाई का कार्य प्रारंभ, नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने किया निरीक्षण

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। नपा परिषद के द्वारा मंगलवार को बुगलिया डायवर्सन योजना अंतर्गत बनी बुगलिया कैनाल की सफाई का कार्य प्रारंभ किया गया है। यह कार्य लगभग एक सप्ताह तक चलेगा इसके अंतर्गत बुगलिया ग्राम के पास स्थित बुगलिया बांध से लेकर तेलिया तालाब तक स्थित कैनाल की सफाई की जा रही है। यह कैनाल तेलिया तालाब के भरने के महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी कैनाल के द्वारा आने वाले पानी से तालाब में पानी पहुंचता है और तेलिया तालाब हर वर्ष पानी से लबालब भर जाता है। इसी कैनाल की महत्ता को देखते हुए नपा परिषद ने कैनाल की सफाई शुरू की है ताकि पानी की आवक में गाद व मिट्टी बाधक नहीं बने।

नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने कल मंगलवार को यहां पहुंचकर कैनाल की सफाई व्यवस्था को देखा तथा मौके पर उपस्थित नपा के कर्मचारी को इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये। इस अवसर पर नपा जलकार्य सभापति निलेश जैन, पार्षद सुनीता गुजरिया, पार्षद प्रतिनिधि नंदलाल गुजरिया, राकेश भावसार भी साथ थे।

नपा के द्वारा बड़े नालों की सफाई की जा रही है– नपा परिषद मंदसौर के द्वारा वर्षा ऋतु के पूर्व बड़े नालों की सफाई का कार्य अनवरत रूप से किया जा रहा है। कल मंगलवार को नपा परिषद के द्वारा वार्ड क्र. 22 के हनुमान नगर के पीछे स्थित बाल शमशान नाले की सफाई का कार्य किया गया। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती कौशल्या बंधवार, स्वास्थ्य समिति सभापति दीपमाला मकवाना ने सफाई के कार्य का निरीक्षण किया गया तथा आवश्यक निर्देश भी दिये।

जनसुनवाई के दौरान 118 मामलों में सुनवाई की

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 118 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मंदसौर जिले के मिण्डलाखेड़ा निवासी आवेदक संजय जाटव ने विद्युत दुर्घटना में दोषियों पर कार्यवाही एवं आर्थिक सहायता के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर एमपीईबी अधिकारी मल्हारगढ को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के खडावदा के पुरालाल ने पीएम विश्वकर्मा योजना के लोन के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर एलडीएम को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के गरोठ निवासी आवेदक अजय महाडिक ने भूमी नामांतरण के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर एसडीएम गरोठ को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के कोटडाबहादुर निवासी आवेदक दिनेशचंद्र ने पेंशन प्रकरण के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी मंदसौर को निर्देश दिये कि जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के चांदाखेडी निवासी आवेदक कैलाश ने नामांतरण, बंटवारा एवं नक्शा दुरूस्ती के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर एसडीएम मंदसौर को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। इसके साथ ही जनसुनवाई के दौरान आर्थिक सहायता प्रदान करने, कृषि भूमि पर कब्जा व फसल नुकसान, प्रधानमंत्री आवास, अतिक्रमण हटाने, स्वीकृत राशी जमा नहीं होने, जननी सुरक्षा का लाभ न मिलने इत्यादि तरह-तरह के आवेदन आये।

सीईओ एवं एडीएम ने जनसुनवाई में सुनी समस्याएं

नीमच, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत सीईओ एवं एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 143 आवेदकों की समस्याएं सुनी और जिला अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में सिंगोली के अशोक कुमार, पिपल्या घोटा के राधेश्याम बैरागी, कनावटी की श्यामा कुंवर, बोरखेडी के भंवरलाल नायक, चडोल के गोपाल धाकड, दारू के नन्दलाल सालवी, इण्डस्ट्रीज एरिया नीमच के राजमल जैन, सगराना के जीवनसिह सौंधिया, मानसिह, चीताखेडा की रामकन्याबाई, जावद के भंवरलाल, रायसिहपुरा के बापुसिह, खजूरिया के रामचंद्र ने अपनी समस्याओं से संबधित आवेदन प्रस्तुत कर अपनी समस्याएं सुनाई इसी तरह महागढकी बबली राठौर, नयागांव के योगेश लोहार, आकली की राधाबाई, महुपुरा मोलकी के भुवानीराम धाकड, ताल के चमनलाल, केलूखेडा की विद्याबाई, कमल चौक नीमच की राजेश्वेरी देवी, मनासा नाका नीमच की शीला जाम्भुलकर, भमेसर के मनीष बैरागी, ग्वालटोली के जगदीशप्रसाद, खोर के बलराम जाट, बघाना के मोहनलाल, नीमच के दीपक शर्मा, दुग्गपुरा के तुलसीराम, नीमच सिटी के लखन ग्वाला, सोनु, ग्वालटोली नीमच के मोहन नायक, चडोली के जगदीशचंद्र, बरकटी के खेमराज आदि ने भी अपनी समस्या ओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए। जिस पर एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को आवश्य क कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

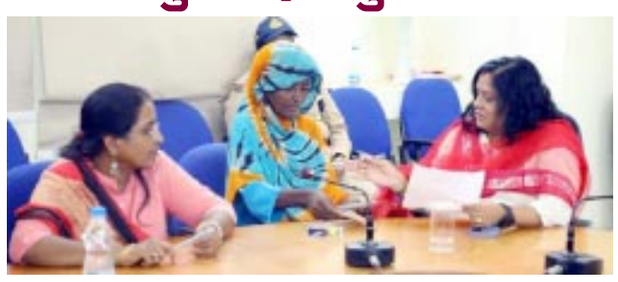

ई-केवायसी नहीं होने पर हितग्राहियों को नहीं मिलेगा तीन माह का राशन

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा बताया गया कि शासन के निर्देशानुसार वर्तमान मेंजून, जुलाई एवं अगस्त 2025 तीन माह का एकमुश्त राशन वितरण उचित मूल्य दूकानों से किया जा रहा है। विभाग द्वारा ई-केवायसी करवाए जाने हेतु अभियान भी चलाया जा रहा है। सभी हितग्राही अपनी-अपनी उचित मूल्य की दूकान पर ई-केवायसी करवाकर तीन माह का राशन प्राप्त करें। जिनके आधार कार्ड अपडेट नहीं है वह नजदीकी आधार केन्द्र पर जाकर आधार कार्ड अपडेट करवाए। जिन सदस्यों की ई-केवायसी नहीं होगी उन्हें तीन माह के राशन की पात्रता नहीं रहेगी। ई-केवायसी करने के बाद ही राशन मिल सकेगा।

स्वरोजगार योजनाओं के आवेदन प्राप्त करने शिविरों का आयोजन

नीमच, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित हितग्राही मूलक स्वरोजगार योजनाओं की लक्ष्यपूर्ति और आवेदकों को योजनाओं की जानकारी देकर उनके आवेदन पत्र भरवाने और उन्हें लाभांवित करने के लिए नगरीय निकाय स्तर पर 13 जून से 20 अक्टूबर 2025 तक प्रात: 11 से दोपहर 2 बजे तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा हैं। नगर पंचायत सभाकक्ष जीरन में 13 जून, नगर पंचायत सभाकक्ष मनासा में 19 जून, जावद में 4 जुलाई, रामपुरा में 18 जुलाई, अठाना में 8 अगस्त, कुकडेश्वर में 22 अगस्त, सरवानिया महाराज में 12 सितम्बर, सिंगोली में 26 सितंबर, रतनगढ में 10 अक्टूबर, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र नीमच में 17 अक्टूबर एवं न.प.सभाकक्ष डिकेन में 24 अक्टूबर 2025 को प्रात: 11 से दोपहर 2 बजे तक स्वरोजगार शिविर आयोजित किए जा रहे है। हितग्राहियों से इन शिविरों का अधिकाधिक लाभ उठाने का आगृह महाप्रबंधक उद्योग सुश्री योगिता भटनागर ने किया है।

राजनैतिक दलों के साथ जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। उप जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के साथ जिला स्तरीय बैठक सुशासन भवन में आयोजित की गई। बैठक के दौरान विभिन्न राजनैतिक दल उपस्थित थे। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा पंचायतों के उप निर्वाचन हेतु 01 जनवरी 2025 की संदर्भ तारीख के आधार पर पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में उपस्थित राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया।

प्रेम की विद्रूपता

सोनम का हनीमून
सात जन्म के साथ
पर यह कैसा प्रहार
पहले ही जन्म में
पति-पत्नी में हाहाकार।
पत्नी का प्रेम बना
अब दो धारी तलवार
पास बिठाऐ प्रेमी को
पति को यम के द्वार।
राज के लिए किया
राजा का खून
प्रेम की विद्रूपता
सोनम का हनीमून।

नंदकिशोर राठौर, मंदसौर

पर्यावरण संरक्षण में सहायक साइकिल की सवारी...

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। कहते है इतिहास स्वयं को दोहराता है। एक जमाना था जब खासकर भारत ही नही लगभग दुनिया भर में साइकिल का बोलबाला था। क्या अब उसी साइकिल युग के लोटने की परिस्तिथिया बन रही हे ? यह गंभीर विचारणीय प्रश्न हे। आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे की लंदन में अब डॉक्टर अपने मरीजो को पर्ची पर दवाइयों के साथ रोज तीस मिनट साइकिल चलाने की सलाह भी दे रहे हे। डॉक्टरो का मानना हे की ऐसा कर के वे अपने मरीजो को दवाओ के साइड इफेक्ट से बचाने के साथ ही उनके दवाओ के खर्च में कटौती भी कर रहे हे। संयुक्त राष्ट्र द्वारा तीन जून को विश्व साइकिल दिवस घोषित किया गया था। संयुक्त राष्ट्र संघ ने परिवहन के सामान्य, सस्ते, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में इसे बढावा देने के लिए विश्व साइकिल दिवस मनाने की घोषणा की थी। साइकिल की खोज के बारे में कुछ इतिहासकार कहते हे की 1839 में स्कॉटलैंड को पहली साइकिल बनाने का श्रेय दिया जाता हे। कहा तो यह भी जाता हे की साइकिल का प्रचलन 19 वी शताब्दी में यूरोप में हुआ। जब कई शहरो में साइकिल की मांग बडी तो इंग्लैंड, फ्रांस और अमेरिका के निर्माताओ ने इसमें कई सुधार किए। तब साइकिल शान की सवारी माने जाने लगी। चीन के बाद दुनिया में आज भी सबसे अधिक साइकिल भारत में बनती हे। 1960 से लेकर 1990 तक भारत में अधिकांश परिवारो के पास साइकिल थी। कहा जाता हे की दुनिया में सबसे अधिक साइकिल चीन की सडको पर चलती हे। यहां के हर एक घर में साइकिल होती हे। हालाकि चिंता की बात यह हे की दुनिया की आबादी के हिसाब से साइकिलो की संख्या कम हो रही हे। साइकिल की सवारी व्यक्ति के दिल, दिमाग और शरीर को पूरी तरह से स्वस्थ रखती हे। ऐसे में अब फिर पूरी दुनिया का ध्यान साइकिल पर जा रहा हे। दुनियाभर की सरकारे और पर्यावरण की चिंता करने वाले लोग शहरी पर्यावरण की सुविधा के लिए साइकिल की सवारी को बढावा देने में जुटे हे। साइकिल के क्रेज को बडाने के लिए प्रतिवर्ष साइकिल के नए नए माडल भी बाजार में आ रहे हे। निदरलैंड साइकिल को बढावा देने में कई यूरोपीय देशो से आगे हे। वंहा की सरकार साइकिल का उपयोग करने वाले लोगो को टैक्स में छूट भी देती हे। वहा जनप्रतिनिधि व अधिकारी भी साइकिल का उपयोग कर अन्य लोगो को भी साइकिल चलाने के लिए प्रेरित करते हे। अनोखी बात यह हे की यहा देश की आबादी से अधिक साइकिले उपलब्ध हे। बढते प्रदूषण की समस्या के चलते भारत सहित कई देश इलेक्ट्रिक साइकिल भी बना रहे हे। द एनर्जी एंड रिसोर्सेस इंस्टिट्यूट (टेरी) के एक अध्ययन पर गौर किया जाए तो छोटी दूरी के सफर के लिए अगर दो पहिया या चार पहिया वाहन के स्थान पर साइकिल का उपयोग किया जाए तो इससे देश की अर्थव्यवस्था को 1.8 खरब रुपए का लाभ होगा। राज्य सरकारो को साइकिल के लिए अलग से लेन बनाने की भी पहल करनी चाहिए। किराए की साइकिल उपलब्ध करवाने की योजना बनाकर शहर के मध्य ऐसे साइकिल सेंटर भी बनाए जा सकते हे। तो आप भी आज से साइकिल चला रहे है न...?

गौरव सोनी, मंदसौर

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

स्वास्थ्य यकृत मिशन के तहत पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित कर स्क्रीनिंग की जाए-चंद्रा

नीमच, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। स्वमस्य् यक यकृत मिशन के तहत पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित कर, लोगों की स्क्रीनिंग की जाए। एएनएम, आशा एवं सीएचओ के माध्य म से 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का वजन एवं उॅचाई एवं बीएमआई की स्क्रीनिंग कर सूचीबद्ध किया जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला अधिकारियों की बैठक में स्वस्थ्य यकृत मिशन की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्यं अधिकारी को दिए।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश शाह, डॉ.ममता खेडे एवं सभी एसडीएम, जनपद सीईओ एवं सभी सीएमओ तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने समग्र ईकेवायसी कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए, कि अभी तक जिले में 30 हजार डूप्लीकेट, मृत एवं पलायन कर चुके हितग्राहियों की समग्र, डिलिट की गई है। जिले में 72 प्रतिशत हितग्राहियों का समग्र ईकेवायसी कार्य पूर्ण हो गया है। कलेक्टर ने जनपद नीमच, जावद, मनासा एवं न.पा.नीमच को निर्देश दिए, कि वे शेष रहे हितग्राहियों की ईकेवायसी तेजी से पूर्ण करवाए तथा जो हितग्राही पलायन कर चुके है, मृत हो गये हैं और जिनकी डूप्लीकेट ईकेवायसी है, उनका सत्यापन कर, समग्र आईडी डिलीट करने की कार्यवाही करें। बैठक में कलेक्टर ने मलेरिया नियंत्रण, माह जून 2025 केतहत नगरीय निकायों, पंचायतों को मलेरिया जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में कलेक्टर ने पीआईयू के कार्यपालन यंत्री को मेडिकल कॉलेज परिसर से वर्षा जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पौधारोपण का लक्ष्य तय कर तैयारी करें:– बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों को एक पेड मॉ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण के लिए अपना स्वयं का लक्ष्य निर्धारित कर वर्षापूर्व सभी आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए। उन्होने रूफवाटर हार्वेस्टिंग इकाई सभी शासकीय भवनों में स्थापित करने के निर्देश देते हुए कहा, कि सभी अधिकारी आगामी टीएल में रूफवाटर हार्वेस्टिंग एवं पौधारोपण की जानकारी के साथ उपस्थित रहे। बैठक में सीएम हेल्पलाईन, जनसुनवाई के प्रकरणों के निराकरण की भी विभागवार समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने नीमच, सिंगोली सडक निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली और एमपीआरडीसी के जिला प्रबंधक को निर्देश दिए, कि वे वर्तमान सडक पर गड्ढों की गुणवत्तापूर्ण मरम्मत तेजी से करवाए।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	47	2117	2241
उडद	5	4800	4999
सोयाबीन	4796	3851	4350
गैहु	7848	2371	2700
चना	299	4700	5300
मसुर	127	5711	6301
धनिया	140	5499	7100
लहसुन	15500	2801	9711
मैथी	797	3300	5631
मुंगफली	722	4100	5080
अलसी	980	6400	7350
सरसो	569	5961	6210
तारामीरा	1	5199	5199
इसबगोल	53	7401	10400
प्याज	1928	200	1101
कलोंजी	23	10500	20580
तुलसी बीज	7	10125	12890
डॉलर	79	6507	8552
तिल्ली	25	6651	9200
जौ	80	2200	2320
मटरसुखी	1	3852	3852
असालीया	95	6071	6290
चियाबीज	94	9500	14399

44 हजार से ज्यादा कर्मचारियों का वेतन अटका

डाटा अपडेट नहीं होने से फंसा भुगतान, उप मुख्यमंत्री ने कहा- डीडीओ होंगे जवाबदेह

भोपाल, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के 44 हजार 810 कर्मचारियों द्वारा छह माह से वेतन नहीं लिए जाने के मामले में सरकार ने अब तक किसी को जिम्मेदार नहीं पाया है। सरकार ने त्यागपत्र देने वाले, सेवानिवृत्त होने वाले, प्रतिनियुक्ति पर जाने वाले, बगैर एम्पलाई कोड वाले और मृत कर्मचारियों का डेटा समय पर अपडेट नहीं होने से डेटा मिसमैच होने की बात कही है।

उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवडा ने जिम्मेदार अधिकारियों को प्रदेश के सभी कर्मचारियों का डेटा समय पर अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि डेटा अपडेशन में देरी पर संबंधित डीडीओ की जिम्मेदारी तय की जाए। उप मुख्यमंत्री देवडा ने बताया कि डेटा क्लीनिंग एक्सरसाइज कंटीन्यू प्रोसेस है। इसमें लगातार कर्मचारियों का डेटा अपडेट किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कर्मचारियों का डेटा सत्यापन किया गया है और अभी तक कोई भी कर्मचारी संदिग्ध नहीं पाया गया है। यानी किसी भी कर्मचारी को नियमों के विपरीत किसी भी प्रकार से कोई आर्थिक लाभ नहीं मिला है।

अब तक सामने आई यह वजह– वेतन नहीं निकाले जाने के संभावित कारणों की पड़ताल में सामने आया कि त्यागपत्र देने वाले, सेवानिवृत्त होने वाले, प्रतिनियुक्ति पर जाने वाले, बगैर एम्पलाई कोड वाले और मृत कर्मचारियों का डेटा समय पर अपडेट नहीं होने से डेटा मिसमैच हुआ है। शासन स्तर से इनकी वास्तविक संख्या ज्ञात कराई जा रही है। आईएफएमआईएस में डीडीओ (आहरण संवितरण अधिकारी) तथा कोषालय अधिकारी स्तर से डेटाबेस में अपडेट कराएंगे। इसके लिए सभी डीडीओ से कोषालय अधिकारियों के माध्यम से जानकारी एकत्रित कर भविष्य में सभी प्रविष्टियां समय पर करने के निर्देश दिए हैं।

कमिश्नर ने कहा, कोई सस्पेक्ट नहीं– आयुक्त कोष एवं लेखा ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या डीडीओ से सत्यापन उपरांत जानकारी एनालिसिस करने पर अभी तक कोई संदिग्ध कर्मचारी सामने नहीं आया है। सभी डीडीओ को एम्पलाई कोड के सामने फ्लैगिंग करने तथा एग्जिट, एंट्री वगैरह के माध्यम से डेटाबेस अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त कोष एवं लेखा ने बताया है कि ऐसे नियमित एवं गैर नियमित कर्मचारियों की डेटा सम्बन्धी जानकारी प्राप्त की गई है, जिनका वेतन आईएफएमआईएस कोषालय प्रणाली से नहीं निकाला गया है। यह अन्य किसी प्रणाली जैसे प्रतिनियुक्ति, स्थानीय निकाय आदि से निकाला जा सकता है। इसके साथ अन्य संभावित कारणों को डीडीओ के माध्यम से एकत्रित किया गया है।

कर्मचारियों के एम्पलाई कोड गायब– जांच में सामने आया है कि त्यागपत्र देने वाले, सेवानिवृत्त, प्रतिनियुक्ति पर गए और मृत कर्मचारियों का डाटा समय पर अपडेट नहीं किया गया है। कई कर्मचारियों के एम्पलाई कोड तक मौजूद नहीं हैं। आयुक्त कोष एवं लेखा के मुताबिक डाटा क्लीनिंग एक निरंतर प्रक्रिया है, जिसमें विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों की जानकारी को नियमित रूप से अपडेट किया जाना चाहिए। उन्होंने ये भी स्पष्ट किया कि अब तक की जांच में कोई संदिग्ध मामला सामने नहीं आया है।

डीडीओ के खिलाफ की जाएगी कार्रवाई– इस समस्या के समाधान के लिए शासन ने सभी डीडीओ को कोषालय अधिकारियों के माध्यम से जानकारी एकत्रित कर आईएफएमआईएस डेटाबेस में अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। डाटा क्लीन करने के बाद ही आईएफएमआईएस नेक्सट जेन में डाटा माइग्रेशन और शुद्ध डाटा की फीडिंग संभव हो सकेगी। डीडीओ को एम्पलाई कोड के समक्ष उपयुक्त फ्लैगिंग और एग्जिट एंट्री के माध्यम से डेटाबेस को तत्काल अद्यतन करने को कहा गया है। अगर इन निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो संबंधित डीडीओ के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सीजन का सबसे गर्म दिन रहा मंगलवार

दो दिन ऐसा ही रहेगा मौसम, 13 से हो सकता है परिवर्तन

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। जून माह की शुरुआत से ही मौसम में रोज बदलाव देखने को मिल रहा है। कुछ दिनों पहले बारिश का दौर जारी था तो अब अब लू का खतरा भी मंडराने लगा है। मंगलवार को सुबह तेज धूप और उमस रही। दोपहर में कुछ समय के लिए बादल भी छाए। वहीं जोरदार गर्मी भी पड़ी। मंगलवार को पारा इस सीजन में सबसे ज्यादा 42.6 डिग्री तक पहुंच गया। उमस से लोग परेशान हो गए।

मौसम विभाग की मानें तो मौसमी प्रणालियों की वजह से 12 जून तक मौसम का मिजाज ऐसा ही रहेगा। बादल, आंधी, बारिश के समीकरण बने रहेंगे। साथ ही तेज गर्मी भी पड़ेगी।

अगले 2 दिन लू का अलर्ट– मौसम विभाग ने अगले 2 दिन तक ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग के जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है। 12 जून से फिर से बारिश का दौर शुरू हो जाएगा। हालांकि, जिन जिलों में बारिश नहीं होगी, वहां गर्मी का असर बना रहेगा।

मानसून एक जगह ठहरा, दो-तीन एंट्री की संभावना कम– पिछले 12 दिन से मानसून महाराष्ट्र-छत्तीसगढ में एक ही जगह पर ठहरा है। इस वजह से एमपी में इसकी एंट्री लेट हो रही है। अगले 2 से 3 दिन तक मानसून के आगे बढने की संभावना कम ही है। यानी, मानसून 15 जून तक प्रदेश में प्रवेश कर सकता है।

इंदौर में आयोजित कर-चिंतन 2025 में मंदसौर सम्मानित

रियायत का गलत इस्तेमाल करने से परेशानी हो सकती है-राज्य कर आयुक्त

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। दो दिवसीय नेशनल टैक्स कांफ्रेंस कर-चिंतन 2025 का इंदौर नगर में आयोजन हुआ। विशिष्ट अतिथि म.प्र. राज्य कर आयुक्त श्री एस. धनराजू, आईटीएटी इंदौर ब्रांच श्री बी.एम.बियानी रहे। इस अवसर पर सेमिनार में मंदसौर के 11 सदस्यीय डेलिगेशन ने भाग लिया। सेमिनार में कर सलाहकार संघ मन्दसौर को भी सम्मानित किया।

सेमिनार के आयोजक एआईएफटीपी, एमपीटीएलबीए, सीटीपीए के संयुक्त तत्वाधान में देश के विभिन्न राज्यों से आये 400 से अधिक सदस्यों ने सहभागिता की। मन्दसौर से कर सलाहकार संघ के अध्यक्ष मुकेश पारिख, सचिव सीए आयुष जैन, कोषाध्यक्ष सीए अर्पित नागदा, पूर्व अध्यक्ष एड. सोहन कोठारी, लोकेंद्र जैन, वीरेंद्र राणावत, सीए एस.एन. काला, यश पारिख, सीए मूंदड़ा ने भी इसमें सहभागिता की। सेमिनार मे आये वक्ताओं ने भविष्य में आने वाली समस्याओं, चुनौतीयों के बारे मे सूक्ष्मता से अवगत कराया एवं उनके समाधान के लिये किस तरह से तैयारी करनी चाहिए उस पर विस्तृत चर्चा की एवं मार्ग दर्शन भी प्रदान किया। धनराजू एस ने कहा कि जीएसटी में रिफॉर्म किसी के लिए फायदेमंद तो किसी के लिए लूपहोल बन सकता है। रियायत का गलत इस्तेमाल करने से परेशानी हो सकती है। इस फर्क को समझना और देखना होगा कि कोई भी रिफॉर्म का गलत इस्तेमाल न हो। उन्होंने टैक्स भरने के प्रति जवाबदारी को लेकर कहा कि आपके द्वारा भरे और भरवाए गए टैक्स से गांव में एक बहुत बडे वंचित वर्ग को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा मिलती है। देश में सडकें, ब्रिज और हाईवे बनते हैं। कार्यक्रम में पहले दिन 4 टेक्निकल सत्र हुए। प्रमुख सत्र दिल्ली से आए सीए बिमल जैन और अमृतसर से आई सीए आंचल कपूर का रहा। दिल्ली के सीए कपिल गोयल, अधिवक्ता वीपी गुप्ता और सीए प्रशांत जीएस ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर कॉन्फ्रेंस पर आधारित के पुस्तक कर-चिंतन का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ.सी.ए.एड. कपिल गोयल (नई दिल्ली), डॉ.सी ए ग्रीश आहूजा, (नई दिल्ली), सीएएड. सी.ए. बिमल जैन, (नई दिल्ली), सी.ए. आँचल कपूर (अमृतसर), सी.ए. उमंग तलाटी (मुंबई), यूथ मोटिवेशनल स्पीकर सी ए संजय धारीवाल (बेंगलुरु) उपस्थित थे। जिन्होंने जीएसटी एवं आयकर के प्रावधानों एवं उनके संशोधनों पर विस्तृत व्याख्यान दिए गए। इस सेमिनार के एएए तीन हीरो जिन्होंने सेमिनार को सफल करने मै महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसमें एडवोकेट अश्विनी लखोटिया, एडवोकेट ए.के.गौर, अमित दवे रहे। इन्हीं के साथ समस्त कार्यकारिणी, पदाधिकारी एवं युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट, एडवोकेट, कर सलाहकार, ने भी कदम से कदम मिलाकर सेमिनार को सफल बनाने में भरपूर मेहनत की है। उक्त जानकारी पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र राणावत ने दी।

देहज प्रताड़ना से तंग आकर अठाना के कृष्णकुमार धाकड़ ने हथकड़ी पहनकर बनाई अनोखी चाय...

होर्डिंग पर लिखा-जब तक नही मिलता न्याय, तब तक उबलती रहेगी चाय

नीमच/मनासा, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। 'मैं तुम्हें सबक सिखा दूंगीह्न अब जेल की हवा खाओगे!' ऐसी धमकी सिर्फ फिल्मों की स्क्रिप्ट में नहीं बल्कि रियल जिंदगी में भी सुनने को मिल जाती है। यह डायलॉग तब और डरावना हो जाता है जब ये धमकी दहेज प्रताड़ना या घरेलू हिंसा के केस में फंसाने को लेकर होती हैं।

आज हम आपको एक ऐसे ही मामले से रूबरू कराने जा रहे है जहां अठाना के कृष्णकुमार धाकड (केके) को अपनी यूपीएससी की पढाई छोड राजस्थान के अंता क्षेत्र में चाय की दुकान लगानी पडी है और यह दुकान महज चाय बेचने या कमाई करने का उद्देश्य नही, बल्कि इसके पीछे केके धाकड के जीवन में घटित उस पल की पुरी कहानी छुपी है, जो शायद इसलिए केके धाकड ने अपनी चाय की दुकान का नाम आईपीसी की धारा '498ए टी कैफे' रखा है। चाय की टपरी के आप— पास लगे बेनर और होर्डिंग भी चीख— चीख कर न्याय की गुंहार लगाते दिख रहे है। कही लिखा गया है 'जब तक नही मिलता न्याय, तब तक उबलती रहेगी चाय' तो कही लिखा है 'आओ चाय पर करे चर्चा.. 125 में कितना देना पडेगा खर्चा'। बात महज इन होर्डिंग और बेनरो तक ही खत्म नही होती केके धाकड ने अपनी प्रताडना को जगजाहिर करने के लिए चाय की दुकान पर वरमाला और एक दुल्हे का सेहरा भी दुकान पर सजा रखा है साथ ही हाथो में हथकडी पहनकर चाय बनाई जा रही है, जो कही न कही पत्नि की प्रताडना और देहज के झुठे प्रकरण से न्याय मांगता दिख रहा है।

जानिये केके की पुरी कहानी– नीमच जिले से करीब 22 किमी दूर अठाना क्षेत्र के रहने वाले केके धाकड का विवाह राजस्थान के अंता क्षेत्र में रहने वाली एक महिला के साथ 6 जुलाई 2018 में सम्पन्न हुआ था। जिसके बाद वर्ष 2019 में केके धाकड ने सहपत्नि अंता जिले से मधुमक्खी पालन की ट्रेनिंग ली थी। दोनो दंपत्ती ने अठाना क्षेत्र से ही मधुमक्खी पालन का कार्य साथ में शुरू किया था। जिसके बाद धीरे—धीरे कारोबार बडने लगा और कई बेरोजगार महिलाओ को भी केके धाकड और उनकी पत्नि ने महिला सशक्तिकरण को बढावा देने केलिए उन्हे रोजगार देना आरंभ किया। 8 अप्रेल 2021 को पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने मध्यप्रदेश में पहली बार महिला सशक्तिकरण को बढावा देने वाले इस कार्य की सराहना करते हुए केके धाकड द्वारा संचालित किए जा रहे मधुमक्खी पालन के कारोबार का शुभारंभ किया था। जिसके बाद करीब 1 वर्ष में मधुमक्खी पालन ओर शहद के व्यापार ने ऐसी रफ्तार पकडी कि दुर—दुर तक शहद की डिमांड बडने लगी, लेकिन इसी बीच केके धाकड की जिंदगी में एक ऐसा मोड आया, जहां सब कुछ बिखर कर रह गया।

वर्ष 2022 के अक्टूबर माह में केके धाकड की पत्नि अचानक रूठकर अपने पीहर अंता चली गई और तभी से शहद का कारोबार ठप्प हो गया। कुछ माह बाद केके की पत्नि ने घरेलू हिंसा और दहेज प्रताडना को लेकर आईपीसी की धारा 498ए और खर्चा मांगने के लिए धारा 125 के तहत न्यायालय में प्रकरण दर्ज करवा दिया और इन सबसे प्रताडित होकर केके धाकड ने एक अनोखा कदम उठाते हुए अपने ससुराल क्षेत्र में ही 498ए वाले बाबा के नाम से एक चाय की टपरी लगाई है।

केके का कहना– मध्यप्रदेश के छोटे से नीमच जिले के अठाना रहवासी केके धाकड से हमने चर्चा की तब उन्होने बताया कि आज के परिवेश में सबकुछ मॉर्डन हो गया है, और इसी चकाचौंध में कई जीवन बर्बाद हो रहे है। हाल ही में मैरठ के सौरभ— मुस्कान का मामला ठंडा हुआ ही था कि इंदौर का एक और सनसनीखेज मामला उजागर हो गया। इंदौर की नई नवेली दुल्हन जिसका नाम सोनम बताया जा रहा है उसने अपने चंद दिनो के प्यार और रूपयो के खातिर अपने ही पति राजा रघुवंशी की बेरहमी से हत्या कर दी। आज के जमाने में कई महिलाए पुरूषो को डरा—धमका कर रखती है और कानून का सहारा लेकर उन्हे झुठे केसो में फंसा भी देती है। ऐसा ही मामला मेरे साथ हुआ है। झुठे केस में सब कुछ बर्बाद हो गया है। पिछले 3 वर्षो से झुठे प्रकरण में फंसकर राजस्थान के अंता जिले में न्याय के लिए दर—दर भटक रहा हूँ मेरी एक बुडी माँ है जिसका एक मात्र मैं ही सहारा हूँ सब कुछ बर्बाद होने के बाद टीन शेड में जीवन व्यथित करना पड रहा है। महिला संबंधित प्रकरण एक ऐसा प्रकरण जहां मानसीक ही बल्कि सामाजिक भी प्रताडना झेलने को मजबूर होना पडता है। कई बार सोचा कि आत्महत्या कर लू, लेकिन फिर ख्याल आया कि मैरी एक बुडी माँ है, जिसका मात्र एक मैं ही सहारा हूँ।

पत्नि द्वारा लगाए गए 498ए के झुठे प्रकरण से प्रताडना झेल ही रहा हूँ कि अब 125 की धारा डबल झेलना पड रही है और इसी प्रताडना से तंग आकर मैने फैसला लिया है कि अब जहां कानून का दुरूपयोग कर मुझे फंसाने की साजिश रची गई है उसी क्षेत्र में '498ए टी कैफे' के नाम से चाय बेचकर कानून के साथ निष्पक्ष लडाई लडता रहुंगा, और इसलिए मैंने यह भी श्लोगन लिखा है कि 'जब तक नही मिलता न्याय, तब तक उबलती रहेगी चाय'।

जनभागीदारी अध्यक्ष चंदवानी के प्रयासों से प्रो. वर्मा का तबादला

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर के शासकीय पीजी कॉलेज के

प्रोफेसर डॉ आर.के. वर्मा शुरू से ही विवादित रहे है। पहले प्राचार्य के रूप में तो बाद में व्याख्यता के रूप में उनके और जनभागीदारी अध्यक्ष नरेश चंदवानी की सैद्धांतिक लडाई थी, इस लडाई में एक बार फिर जनभागीदारी अध्यक्ष नरेश चंदवानी जीत गये और अपने प्रयासों से डॉ आर के वर्मा का तबादला मंदसौर से श्योपुर हो गया है। एक बार फिर जनभागीदारी अध्यक्ष नरेश चंदवानी ने अपनी ताकत का लोहा मनवाया है और छात्रहित और कॉलेज हित में कार्य किया है। उल्लेखनीय हैं कि कुछ माह पूर्व भी डॉ आर के वर्मा अनाधिकृत रूप से महाविद्यालय के प्राचार्य बन गये थे तब भी कई विवादों को कॉलेज में जबरन पैदा किया जा रहा था, तब भी श्री चंदवानी ने प्रयास कर विद्यार्थियों के हित में डॉ आर के वर्मा को प्राचार्य पद से हटवाया था।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के पुर्व योगाभ्यास सत्र आयोजित

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। जिला आयुष अधिकारी द्वारा बताया गया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के कार्यक्रम की पूर्व तैयारियों एवं प्रचार प्रसार के संबंध में जिला आयुष कार्यालय और पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से पुलिस लाइन ग्राउंड मन्दसौर में प्रात: 07 से 08 बजे तक योगाभ्यास सत्र आयोजित किया गया। योगाभ्यास सत्र में जिला आयुष विभाग के चिकित्सा अधिकारी एवं कर्मचारी, पुलिस विभाग के अधिकारी एवं ट्रेनीज द्वारा योग का अभ्यास किया गया।

नि:शुल्क नेत्र रोग निदान शिविर संपन्न

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज देहरी के तत्वावधान में मंगलवार को विशाल निशुल्क नेत्र रोग निदान व लेंस प्रत्यारोपण शिविर लगाया गया। श्री लाभमुनि नेत्र चिकित्सालय मंदसौर द्वारा आयोजित यह शिविर श्री राम मारुति यज्ञ समिति और एप्पल वैली कान्वेंट स्कूल देहरी के सहयोग से संपन्न हुआ। शिविर में श्री लाभमुनि नेत्र चिकित्सालय मंदसौर की टीम ने सेवाएं दीं। नेत्र रोग विशेषज्ञों ने 181 मरीजों की आंखों की जांच की। इनमें से 40 मरीजों को नि:शुल्क लेंस प्रत्यारोपण के लिए चुना गया।

शिविर में वरिष्ठ डॉ अशोक सोलंकी, शांतिलाल मकवाना, अजय सिंह सोलंकी और सानिया मंसूरी ने सेवाएं दीं। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। दीप प्रज्वलन गांव के वरिष्ठ मन्नालाल पाटीदार ने किया। शिविर के दौरान डॉक्टरों ने आंखों की देखभाल और सुरक्षा के उपाय बताए। देहरी के अलावा मजेसरा, निंबोद, ताजखेडी व आसपास क्षेत्रों से भी लोग पहुंचे और शिविर में उपचार का लाभ लिया। अतिथियों का स्वागत बापूलाल पाटीदार, रुपराम पाटीदार और शंकरलाल कुमावत निंबोद ने किया। संचालन नारायण सिंह सिसौदिया ने किया। आभार नानालाल शर्मा ने माना।

गायत्री परिवार की कन्या कौशल शिविर की बहनों ने शिवना बड़े पुल के नीचे घाट की सफाई की

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। गायत्री परिवार की कन्या कौशल शिविर गायत्री शक्तिपीठ पर आयोजित हुआ। जिसमें सौ कन्याओं ने भाग लिया। शिविर के अंतिम दिवस बहनों ने शिवना घाट पर पहुंचकर घाट व नाली की सफाई की। पशुपतिनाथ मंदिर जहां धर्मशाला और होटल का गंदा पानी मिल रहा है वहां की नालों को साफ किया। घाट पर नहाने के बाद जो पुराने कपडे छोड देते है उन्हें एक जगह इकट्ठा किया गया।

गायत्री परिवार ने कहा कि शिवना के घाट पर गंदगी के वजह से पशुपतिनाथ आने वाले दर्शनार्थी स्नान नहीं कर पाते है। इस पर शासन-प्रशासन को ध्यान देकर बडे होर्डिंग्स लगाने चाहिए तथा गार्ड की व्यवस्था करना चाहिए। गंदगी फैलाने वालों पर चालानी कार्यवाही करना चाहिए। साथ ही घाट पर स्नान करने वालों को सख्त निर्देश देना चाहिये कि वे साबुन का उपयोग न करे। एक डस्टबिन भी रखा जाए जिससे शिवना में गंदी चीजे डालने के बजाय डस्टबिन में डाले। मंदिर का थोडा बजट घाटों की साफ सफाई पर भी खर्च होना चाहिए। कन्या कौशल शिविर की प्रभारी निशा धनोतिया, रामनिवास खेजडिया और मनासा के शक्तिपीठ के कायकर्ताओं ने अपने विचार रखे। गायत्री परिवार ने मॉ शिवना, घाट, पार्क, व बावडी की सफाई व पेड लगाने का अभियान मिशन 2026 तक का अभियान चल रहा है। हर व्यक्ति को इससे जुडना चाहिये। मानव के लिये जल बचाओं, पेड लगाओ अभियान से जुडे जिससे जनजागृति आ सके। इस अभियान में पवन गुप्ता, परशुराम शर्मा, योगेशसिंह सोम, रामनिवास, निशा धनोतिया, मीडिया प्रभारी विवेक अडावदिया, ममता अडावदिया, ईश्वरलाल, जसवंत, नेनाकुंवर, तनुजा, ममता पाटीदार, प्रिया पाटीदार, ममता डांगी सहित सभी कन्या कौशल शिविर की बहनों ने अभियान में भाग लिया।

अखिल विश्व गायत्री परिवार शाखा द्वारा कन्या कौशल शिविर संपन्न

मंदसौर, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। अखिल विश्व गायत्री परिवार शाखा मंदसौर द्वारा गायत्री शक्तिपीठ पर पांच दिवसीय कन्या कौशल शिविर का समापन हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम में विशेष रूप से युवा प्रकोष्ठ प्रदेश प्रभारी विवेक चौधरी एवं एफसीआई के डायरेक्टर मदनलाल राठौड, शिक्षाविद रमेशचंद्र चंद्रे, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सेवा भारती के रविंद्र पांडे, जावरा से पधारी मातृशक्ति उपस्थित रहे।

इस अवसर पर गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ के विवेक चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा की दुनिया के सभी भविष्यवक्ताओं ने कहा है कि दुनिया बहुत परेशान होगी लेकिन परम पूज्य गुरुदेव वेद मूर्ति पंडित श्री राम शर्मा आचार्य ने आज से 40 साल पहले 21वीं सदी उज्ज्वल भविष्य का नारा उन्होंने दिया है। जाति वंश सब एक समान एक पिता की सब संतान, हम सुधरेंगे युग सुधरेगा, अपना सुधार संसार की सबसे बडी सेवा हौ गायत्री परिवार ने धर्म को संस्कृति को स्थापित करने में करोड ऐसे परिवार जनों के यहां पर आज गायत्री मंत्र गूंज रहा है यह समय परिवर्तन

का समय है आज भी गायत्री परिवार को बडे सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। गायत्री परिवार का प्रत्येक कार्यकर्ता अपना धन अपना समय लगाकर इस समाज के अंदर परिवर्तन का उद्घोष कर रहा है दुनिया आश्चर्य में है कि भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है जिसमें गायत्री परिवार जैसी संस्था का योगदान बहुत बडा कहलाएगा आज हमें एकजुट होकर विध्वंशकारी शक्तियों से लडना है इसके लिए मजबूत होना पडेगा। अपने गुरु के चरणों पर समर्पित होकर साधना को बढाते हुए राष्ट्र के प्रत्येक व्यक्ति को सही राह पर दिखाने के लिए यह गायत्री मंत्र ही अचूक बाण होगा। इस अवसर पर एफसीआई के डायरेक्टर मदनलाल राठौड ने कहा कि यह कन्यायें 70 परिवारों को नहीं 140 परिवारों को नई दिशा देगी। यह बच्चियां जिस घर में जाएगी उस घर को रोशन कर देंगी। कन्या कौशल ग्रुप गायत्री परिवार ने जो संकल्प लिया है इसको आने वाले समय में सरकार को अपनाना होगा। ऐसे शिविर गांव गांव में शहर शहर में आयोजित करने का समय आ चुका है। हम उनके कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हैं उनके चेहरे पर हमेशा प्रफुल्लित आनंद रहता है। आज पद और सम्मान की दौड है लेकिन गायत्री परिवार का परिजन अपने गुरु के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। यह वर्ष अहिल्याबाई का वर्ष है उनके त्याग और बलिदान के समय में कन्या कौशल मिल का पत्थर साबित होगा।

इस अवसर पर शिक्षाविद रमेश चंद्र चंद्रे ने अपने उद्बोधन में कहा आज लक्ष्य के प्रति समर्पित लोगों की आवश्यकता है हर व्यक्ति को अपने लक्ष्य पर ध्यान रखना चाहिए इन बच्चों को भी अपने लक्ष्य की ओर ध्यान देते हुए जो भी संकल्प लेना है उसे पूरा करने के लिए अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहना चाहिए। यह बहुत बडी बात है की गायत्री परिवार पर इन बच्चियों के परिवार जिन्होंने विश्वास जताया है। यह गायत्री परिवार की प्रमाणिकता एवं उनके कार्यों के विश्वास ही है कि आज 70 से 80 कन्या इस शिविर में पहुंचकर इन्होंने बडे कार्य का संकल्प लिया है हमें विश्वास है अब राष्ट्र के अंदर 21वीं सदी नई सदी देखने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वरिष्ठ रविंद्र पांडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि मैं जब यूट्यूब पर खोज कर रहा था की कन्या कौशल शब्द की उत्पत्ति कहां से कैसे हुई है तो मंदसौर का नाम आया। मेरा गर्व से मस्तक उंचा हो गया की मंदसौर से यह कार्य प्रारंभ किया जा रहा है जो आज राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचा है। यह समय की मांग है आज टूटे घरों को बचाने के लिए इन बच्चों को संस्कृत करना अति आवश्यक है आज राष्ट्र के सामने एक चुनौती खडी है अच्छी भावी पीढी को मजबूत एवं सशक्त बनाने की इसमें इन बच्चों का बहुत बडा रोल रहेगा। शिविर में पहुंचे बच्चों को सम्मानित किया गया सभी बच्चों को कार्ड एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया गायत्री परिवार की कार्यकर्ताओं ने 1000 रू. तत्काल बच्चों के पुरस्कार हेतु एवं 500 श्रीमती रेनू सिंह ने अपनी कमाई से इस कार्यक्रम में इस समय बच्चों को घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चों को इनाम दिया जाना चाहिए। यह इनाम नहीं है यह इनके इस शिविर के अंदर उनकी श्रद्धा भावनाओं को समर्पित है। कार्यक्रम में पांच दिवस तक सेवा देने वाले मंदसौर युवा प्रकोष्ठ प्रभारी पवन गुप्ता, निशा धनोतिया, दिलीप माहेश्वरी, रेखा सिंह, श्रीमती चन्द्रकला सेठिया द्वारा पूरे कार्यक्रम को बच्चों को विशेष रूप से उनका ध्यान रखा गया उसके लिए उनको धन्यवाद दिया गया। राष्ट्र में बडे कार्य करने का संकल्प सभी बच्चों ने लिया उन्होंने कहा कि हम परम पूज्य गुरुदेव को संकल्प को पूरा करेंगे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट सत्येंद्र सिंह ने किया सभी बच्चों को विदाई में सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। यह जानकारी युवा प्रकोष्ठ प्रभारी पवन गुप्ता ने दी।

अग्नि वीर ट्रेन में बना...

पेज 1 से जारी

कोडरमा में उनका असामयिक निधन हो गया। परिजनों का कहना है कि उन्हें किसी ने ट्रेन में कुछ खिला दिया, घटना के संदर्भ में मेरी फौज के सीईओ से मोबाईल पर चर्चा हुई है। उन्होंने बताया कि मृतक का शव परीक्षण (पोस्टमार्टम) अभी हो रहा है, रिपोर्ट आने पर ही कुछ बताया जा सकेगा। घटना को लेकर एसपी मंदसौर श्री अभिषेक आनंद को अवगत कराया गया है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिवारजन को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

केंद्रीय पर्यवेक्षक पहुंचे मनासा विधानसभा क्षेत्र में

मनासा, 10 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले में मनासा विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय पर्यवेक्षक श्री भजनलाल जी जाटव सांसद व राजनयण जी पूर्व विधायक के साथ में पूर्वउद्योग मंत्री नरेंद्र नाहटा भी पहुंचे कार्यक्रम मनासा विधानसभा मे प्रात: 11 बजे रामपुरा डाक बंगला दोपहर 02 बजे मनासा वर्धमान जैन धर्मशाला में कांग्रेस कार्यकर्ताओ कि बैठक संपन्न हुई जिसमें केंद्रीय प्रवक्षकों के द्वारा जिला अध्यक्ष चयन प्रक्रिया को लेकर वन बाय वन कांग्रेस कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई कांग्रेस सृजन अभियान को लेकर मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष युवा जीतू पटवारी जी के आदेशा अनुसार मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने हेतु हर ब्लॉक में अलग-अलग पर्यवेक्षक एवं केंद्रीय पर्यवेक्षक पहुंच रहे हैं उसी कडी में मनासा विधानसभा के सैकडों कार्यकर्ता की उपस्थिति में कांग्रेस को मजबूत करने की बात कही व जिला अध्यक्ष के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से नाम लिए उक्त जानकारी कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सुरेंद्र श्याम सोनी ने दी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in